Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 38 जयपुर, शुक्रवार, 12 जुलाई 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने सरकार की तारीफ की: पाली विधायक बोले

दीया कुमारी और सीएम को सैल्यूट, भाजपा विधायकों ने सरकार को घेरा

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान की विधानसभा में गुरुवार को दिलचस्प नजारे देखने को मिले। जहां प्रश्नकाल और शून्यकाल के दौरान भाजपा विधायकों ने सरकार को जमकर घेरा, वहीं बजट बहस के दौरान कांग्रेस विधायकों ने सरकार के बजट की खूब तारीफ की। पाली विधायक भीमराज भाटी ने तो बजट के लिए सीएम और डिप्टी सीएम दीया कुमारी को सैल्यूट तक कर दिया। बजट बहस के दौरान भजन मंडली का जिक्र भी हुआ। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली बोले- यह भजन मंडली सदन में माहौल बिगाड़ती है। बजट बहस के दौरान बीजेपी विधायक को टोकने पर कुछ देर हंगामे के हालात बन गए। मारवाड़ जंक्शन से बीजेपी विधायक केसाराम चौधरी बजट की तारीफ करते हुए कांग्रेस राज की खामियों का जिक्र कर रहे थे। इसी दौरान कांग्रेस विधायकों ने टोका। इस पर उन्होंने कहा कि अगर इस तरह टोका गया तो मैं किसी को नहीं बोलने दूंगा। राजाखेड़ा से कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा ने केंद्र से पहले राज्य का बजट पेश करने पर सवाल उठाए। बोहरा ने कहा कि राज्य सरकार को बजट पेश करने की ऐसी भी क्या जल्दी थी, कम से कम केंद्र सरकार का बजट तो पहले आने देते। आपका 46 फीसदी रेवेन्यू जीएसटी और केंद्रीय करों से आता है, उसमें आप कुछ नहीं कर सकते।

कांग्रेस ने सदन से किया वॉकआउट

प्रश्नकाल के दौरान महिला अत्याचारों और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आदिवासियों के डीएनए की जांच वाले बयान को लेकर कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- दिलावर ने अपने बयान के लिए कोई माफी नहीं मांगी है। ऐसे में लगता है कि उन्हें अपने बयान पर कोई पछतावा नहीं है। दिलावर को विपक्ष सदन में नहीं सुनेगा। उनकी माफी मांगने और मंत्री पद से हटाने तक उनका इसी तरह विरोध किया जाएगा। पाली से कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी ने बजट की कई घोषणाओं की जमकर तारीफ की। भाटी ने सीएम और डिप्टी सीएम के अलावा मंत्रियों की भी तारीफ की। भीमराज भाटी ने कहा-पाली के सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री ने पैसा मंजूर किया है, उसके लिए दिल से आभारी हूं। मुझे कोई शर्म नहीं है। मैंने जिक्र किया था कि मैं इसके बारे में विधानसभा में खुले दिल से मुख्यमंत्री और दीया कुमारी का आभार प्रकट करना चाहता हूं।

29 जुलाई को विधानसभा में पास होगा बजट

गुरुवार की बहस के बाद विधानसभा की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। अब शुक्रवार, सोमवार और मंगलवार को तीन दिन और बहस होगी। मंगलवार को बहस का सरकार की तरफ से जवाब आएगा। विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति ने 29 जुलाई तक विधानसभा का कामकाज तय कर दिया है। 29 को विधानसभा में राजस्थान का बजट पास होगा। 17 जुलाई को विधानसभा नहीं चलेगी। 18 जुलाई से अलग-अलग विभागों की अनुदान मांगों पर बहस होगी। हर दिन बहस के बाद मंत्री बहस का जवाब देंगे। 8 दिन तक विधानसभा में अलग अलग विभागों की अनुदान मांगों पर बहस होगी। अगर केंद्र सरकार कोई योजना शेयरिंग वाली लेकर आई तो आप पैसा कहां से दोगे। बोहरा ने कहा- ग्रामीण विकास का बजट 1000 करोड़ रुपए घटा दिया है। 650 करोड़ की शहरी मनरेगा 350 करोड़ की कर दी और आप वाहवाही की उम्मीद कर रहे हो। राजस्थान में इस बजट से कोई विकास नहीं होगा। एमनेस्टी के नाम पर सरकार खेला कर रही है। बीजेपी विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस राज में कई योजनाओं में घपले हुए। जल जीवन मिशन में जिस तरह से कांग्रेस राज के दौरान घपला हुआ, उसकी अभी जांच चल रही है। यह जांच अगर सही दिशा में आगे बढ़ी और ऐसे ही चलती रही तो कांग्रेस के कई नेता आगे आने वाले दिनों में जेल में होंगे।

कठुआ में जवानों ने 2 घंटे 5000 राउंड गोलियां चलाईं

आतंकी हमले के दौरान घायल साथियों की रक्षा की, पूछताछ के लिए 26 हिरासत में

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 8 जुलाई को सेना के काफिले पर आतंकवादी हमला हुआ था। घटना की जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि, जब भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया तो 22 गढ़वाल रेजिमेंट के जवान पहले तो घबरा गए, लेकिन उन्होंने तुरंत खुद को संभालते हुए अपने घायल साथियों की रक्षा की। इसके लिए जवानों ने 5000 से अधिक राउंड गोलियां चलाईं और आतंकवादियों को कठुआ के जंगल में पहाड़ियों पर भागने पर मजबूर कर दिया। आतंकी हमले में 22 गढ़वाल राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए और पांच घायल हुए। एएनआई की एक टीम घटना स्थल पर पहुंच गई है और जांच में पुलिस की सहायता कर रही है। घटना की जांच के लिए कठुआ जिले के माचेडी-बिलावर इलाके से 26 स्थानीय निवासियों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि, ''इस वक्त सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान आतंकवादियों को पकड़ने के लिए क्षेत्र के बीहड़ इलाकों और जंगलों की तलाशी ले रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई भी पकड़ा या मारा नहीं गया है। भारी बारिश ने ड्रोन और हेलिकॉप्टर के जरिए हवाई निगरानी को मुश्किल बना दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि, हमले के ठीक बाद सेना के जवानों ने अतिरिक्त बल पहुंचने तक लगातार दो घंटे से अधिक समय तक गोलीबारी की। अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद साक्ष्यों, खून से सने हेलमेट, गोलियों के खोखे और टूटी विंडस्क्रीन और पंचर टायर वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। इसके अलावा घायल सैनिकों से बात करके ये समझने की कोशिश की जा रही है कि 8 जुलाई की दोपहर को आखिर क्या हुआ था। एक अधिकारी ने बताया कि माना जा रहा है कि तीन आतंकवादी थे, जिन्होंने दो अलग-अलग स्थानों से सेना के वाहन और जवानों को निशाना बनाया। एक अधिकारी ने मीडिया एजेंसी पीटीआई से बातचीत में बताया कि, ''भारतीय सेना के गढ़वाल रेजिमेंट के सैनिकों ने आतंकवादियों पर 5,189 राउंड की बौछार की।

केजरीवाल की याचिका पर आज फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती दी थी, 17 मई को एससी ने फैसला सुरक्षित रखा था

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार (12 जुलाई) को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर फैसला सुनाएगा, जिसमें उन्होंने कथित शराब नीति घोटाले के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में क्क की तरफ से गिरफ्तारी को चुनौती दी है। जांच एजेंसी ने 21 मार्च को केजरीवाल को अरेस्ट किया था। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक जस्टिस संजीव खन्ना की अगुआई वाली बेंच इस केस में फैसला सुनाएगी। केजरीवाल की इस याचिका पर 17 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। तब एससी ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही कहा था कि केजरीवाल जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जा सकते हैं। 17 मई की सुनवाई में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई की थी। ईडी की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और केजरीवाल की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी दलीलें रखीं थीं। इधर, शराब नीति केस में क्क ने मंगलवार (9 जुलाई) को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सातवीं सप्लिमेंट्री चार्जशीट पेश की। 208 पेज की इस चार्जशीट में दिल्ली के एक्ब अरविंद केजरीवाल को केस का सरगना और साजिशकर्ता बताया गया है। चार्जशीट में कहा गया कि स्कैम से मिला पैसा आम आदमी पार्टी पर खर्च हुआ है। ईडी ने चार्जशीट में कहा कि केजरीवाल ने 2022 में हुए गोवा चुनाव में इइध के चुनाव अभियान में यह पैसा खर्च किया। दावा किया गया है कि केजरीवाल ने शराब बेचने के कॉन्ट्रेक्ट के लिए साउथ ग्रुप के सदस्यों से 100 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से 45 करोड़ रुपए गोवा चुनाव पर खर्च किए गए थे। ईडी ने जोर देकर कहा कि केजरीवाल ने दावा किया कि आप के पूर्व मीडिया प्रभारी और इस केस के सह-आरोपी विजय नायर ने उनके नहीं, बल्कि मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के अधीन काम किया था। इसमें यह भी दावा किया गया है कि सीएम ने कहा कि दुर्गेश पाठक गोवा के राज्य प्रभारी थे और फंड का प्रबंधन करते थे।

हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी को सही ठहराया था

केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और उसके बाद जांच एजेंसी की हिरासत में भेजे जाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। 9 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही करार दिया था। इस फैसले के खिलाफ केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को केजरीवाल की याचिका पर क्क से जवाब मांगा था। हाईकोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही बताते हुए कहा था कि इसमें कुछ भी अवैध नहीं था क्योंकि केजरीवाल कई समन भेजे जाने के बाद भी पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस नहीं आए।

एमपी-छत्तीसगढ़ समेत 7 राज्यों में भारी बारिश की संभावना

यूपी के 800 गांवों में बाढ़ के हालात, बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 23 की मौत

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देशभर में मानसून पहुंच चुका है। असम, बिहार, उत्तर प्रदेश में नदियां उफान पर हैं। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, 7 राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 800 गांवों में बाढ़ के हालात हैं। गांव के गांव डूब गए हैं। हर तरफ पानी ही पानी दिख रहा है। लोग घर छोड़ने को मजबूर हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में लगी हैं। बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 24 घंटे में 23 लोगों की मौत हो गई। उत्तराखंड में लगातार पांच दिन चली बारिश के बाद बार-बार भूस्खलन के चलते 200 सड़कें बंद हैं। सबसे खराब हालात बद्रीनाथ रूट पर है, जहां 22 जगह लैंडस्लाइड से चार धाम यात्रा मार्ग 3 दिन से बंद है। एनडीआरएफ, सेना, एसडीआरएफ के कर्मचारी जब भी ऑल वेदर रोड से मलबा हटाते हैं, पहाड़ का हिस्सा फिर गिर पड़ता है। बद्रीनाथ रूट पर हालत ये है कि 25 किमी में कई जगह रास्ता बार-बार बंद हो रहा है। इसके चलते करीब 4 हजार श्रद्धालु जोशीमठ के आसपास सड़कों पर डेरा जमाए हुए हैं।

17 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने आज कुल 17 राज्यों के भारी बारिश का अनुमान जताया है। इनमें गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मेघालय और हिमाचल प्रदेश शामिल है। मौसम विभाग ने कहा है कि इनमें से कुछ राज्यों (गोवा, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार) में तूफान और बिजली भी गिर सकती है। कर्नाटक के तटीय इलाकों में मछुआरों को समुद्र में ज्यादा न जाने की एडवाइजरी जारी की है। मुंबई में गुरुवार को तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि शहर में सिर्फ 24 घंटे में 112 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बिहार के भागलपुर में तेज बारिश के कारण कोसी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इस वजह से सिंहकुण्ड गांव मकान ढह गया। पंजाब के अमृतसर में तेज बारिश हुई। यहां बुधवार को 23 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। 13 जुलाई को गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, केरल में भारी बारिश का अनुमान है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा में कल से 14 जुलाई तक तेज बारिश होगी। 14 और 15 जुलाई को आंध्र प्रदेश में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पंजाब, हरियाणा दिल्ली और जम्मू में बहुत तेज बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

स्पाइस जेट की क्रू मेंबर ने एएसआई को थप्पड़ मारा

संजीवनी टुडे

जयपुर एयरपोर्ट पर जांच के लिए कहा तो भड़की, एयरलाइंस का बयान- ड्यूटी के बाद घर मिलने बुलाया

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर स्पाइस जेट की क्रू मेंबर ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के एएसआई को थप्पड़ मार दिया। घटना गुरुवार सुबह 4 बजे की है। क्रू मेंबर एयरपोर्ट पहुंची थी। आरोप है कि इस दौरान उसने बिना जांच के अंदर घुसने की कोशिश की। इस पर एएसआई ने उसे रोका और स्क्रीनिंग कराने के लिए कहा। क्रू मेंबर ने महिला स्टाफ नहीं होने का हवाला देकर मना कर दिया। एएसआई ने महिला स्टाफ बुलाने की बात कही तो वह भड़क गई और बहस करने लगी। महिला स्टाफ पहुंचती, इससे पहले ही उसने एएसआई को थप्पड़ मार दिया। उधर, इस मामले में स्पाइस जेट का भी बयान आया है। स्पाइसजेट ने कहा कि सीआईएसएफ जवान ने फीमेल स्टाफ के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और ड्यूटी के बाद उसके घर पर मिलने आने के लिए कहा। एयरपोर्ट थानाधिकारी मोतीलाल ने बताया- एएसआई गिरिराज प्रसाद ने स्पाइस जेट की क्रू मेंबर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एएसआई ने रिपोर्ट में बताया- क्रू मेंबर की बैक ऑफिस में ड्यूटी है। वह सुबह 4 बजे एयरपोर्ट पर पहुंची थी। इस दौरान उनकी भी ड्यूटी एयरपोर्ट पर थी। उन्होंने बताया, 'क्रू मेंबर ने बिना सिक्योरिटी जांच के अंदर घुसने की कोशिश की। इस पर उन्होंने उसे रोक दिया और स्क्रीनिंग कराने के लिए कहा। क्रू मेंबर ने महिला स्टाफ नहीं होने का हवाला दिया और स्क्रीनिंग के लिए मना कर दिया। जब उसने महिला स्टाफ नहीं होने की बात की तो गिरिराज ने एयरपोर्ट कंट्रोल के अधिकारियों को वायरलेस पर मैसेज भेजकर महिला स्टाफ बुलाने को कहा। इसी बीच क्रू मेंबर भड़क गई और बहस करने लगी। दोनों के बीच जमकर तू-तू, मैं-मैं होने लगी। महिला स्टाफ पहुंचती इससे पहले ही क्रू मेंबर ने उनको थप्पड़ मार दिया। ये पूरा घटनाक्रम सुबह 11 बजे तक चला। एएसआई गिरिराज प्रसाद को थप्पड़ मारने के बाद एयरपोर्ट के एंट्री गेट पर हंगामा हो गया। सीआईएसएफ के अन्य जवान और अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई से जस्टिस संजय कुमार हटे निजी कारणों का हवाला दिया, सुप्रीम कोर्ट की नई बेंच अब 15 जुलाई को सुनवाई करेगी

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार ने गुरुवार (11 जुलाई) को इइध नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। दिल्ली शराब नीति मामले में सिसोदिया की याचिका पर आज सुनवाई होनी थी। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संजय कुमार की बेंच सुनवाई करने वाली थी। हालांकि, जैसे ही मामला सुनवाई के लिए रखा गया, जस्टिस खन्ना ने कहा, 'हमारे भाई (जस्टिस संजय कुमार) को कुछ दिक्कत है। वह निजी कारणों के चलते इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते। अब 15 जुलाई को दूसरी बेंच मामले की सुनवाई करेगी। जस्टिस संजय कुमार इसका हिस्सा नहीं होंगे। सिसोदिया ने शराब नीति घोटाले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो केस में जमानत पर पुनर्विचार को लेकर दो अलग-अलग याचिकाएं लगाई हैं। इस साल सिसोदिया ने ट्रायल कोर्ट में जमानत को लेकर दोबारा याचिका लगाई। 30 अप्रैल को ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका फिर खारिज कर दी। इस फैसले के खिलाफ सिसोदिया हाई कोर्ट पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने 4 जून को जमानत से इनकार किया

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 4 जून को सिसोदिया की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सिसोदिया ने इस पर दोबारा विचार करने को लेकर याचिका लगाई थी। सिसोदिया को पिछले साल 26 फरवरी को एउक्रने और फिर 9 मार्च को क्क ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। वे फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं। ईडी केस में 3 जुलाई को दिल्ली की एक अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। एउक्रकेस में सिसोदिया 15 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

पहले भी कई बार खारिज हुई सिसोदिया की जमानत याचिका

इससे पहले मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाएं कई बार खारिज हो चुकी हैं। उन्होंने क्कमामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिसे 28 अप्रैल, 2023 को खारिज कर दिया गया था। सीबीआई मामले में उनकी जमानत याचिका 31 मार्च, 2023 को खारिज हुई थी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने क्कमामले में उनकी जमानत याचिका को 3 जुलाई, 2023 और सीबीआई मामले में उनकी जमानत याचिका 30 मई, 2023 को खारिज की थी। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर, 2023 सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि घोटाले से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले हैं। इनमें 338 करोड़ का लेन-देन हुआ है, जिसमें सिसोदिया की भूमिका संदिग्ध लग रही है। इसलिए याचिका खारिज की जाती है।

शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी पर अभद्र टिप्पणी

दावा- आपत्तिजनक कमेंट करने वाले को पुलिस ने पकड़ा; लेकिन मामला कुछ और निकला

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सियाचिन में शहीद हुए कैप्टन अंशुमान सिंह को पिछले दिनों मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन अंशुमान की मां मंजू और पत्नी स्मृति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कीर्ति चक्र दिया था। इस बीच सोशल मीडिया पर शहीद कैप्टन की पत्नी स्मृति की फोटो पर एक शख्स द्वारा अभद्र टिप्पणी का मामला सामने आया। इस आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी से जुड़ा स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस बीच कुछ वेरिफाइड एक्स यूजर्स ने दावा किया कि शहीद कैप्टन की पत्नी पर अभद्र कमेंट करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। दावे से जुड़ा पहला ट्वीट हमें वेरिफाइड एक्स यूजर दीपक शर्मा के एक्स अकाउंट पर मिला। इस ट्वीट में दावा किया गया था कि शहीद कैप्टन की पत्नी के फोटो पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मोहम्मद अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया है। दीपक शर्मा को एक्स पर 71 हजार से अधिक लोग फॉलो करते हैं। वहीं, यूजर की इस पोस्ट को खबर लिखे जाने तक 22 हजार से अधिक लोग लाइक कर चुके थे। वहीं, 6 हजार से अधिक लोग इसे रीपोस्ट कर चुके थे। हमें ऐसा ही पोस्ट तन्मय श्रीवास्तव नाम के वेरिफाइड एक्स यूजर के अकाउंट पर भी मिला। इस ट्वीट में लिखा था- शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी पर अभद्र टिप्पणी करने वाला इस्लामी जोम्बी हुआ गिरफ्तार। पड़ताल के दौरान हमें सुरेंद्र चौधरी नाम के एक्स यूजर का भी ट्वीट देखने को मिला जिसमें यही लिखा गया था- शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार। क्या सच में यही वो शख्स है जिसने शहीद कैप्टन की पत्नी को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कमेंट किया था। जवाब है नहीं। पुलिस गिरफ्त में नजर आ रहा यह शख्स शहीद कैप्टन की पत्नी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला यूजर नहीं बल्कि एक अपराधी मोहम्मद कासिम है।

आंध्र प्रदेश में तीसरी की छात्रा से गैंगरेप, हत्या

आरोपी उसी के स्कूल के छठी-7वीं के छात्र, सबूत मिटाने के लिए नहर में फेंका शव

संजीवनी टुडे

नांदयाल। आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले में तीसरी क्लास में पढ़ने वाली बच्ची से गैंगरेप और मर्डर का मामला सामने आया है। पुलिस ने बच्ची के स्कूल के तीन नाबालिग छात्रों को आरोपी बनाया गया है। छात्रों ने गैंगरेप के बाद बच्ची की हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए शव को नहर में फेंक दिया। शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है। बच्ची की उम्र 8 साल थी। वहीं, आरोपी दो लड़कों की उम्र 12 साल है। दोनों छठी क्लास में पढ़ते हैं। तीसरे आरोपी की उम्र 13 साल है, वह सातवीं क्लास में पढ़ता है। पुलिस के मुताबिक, घटना रविवार (7 जुलाई) शाम की बताई जा रही है। घटना के वक्त बच्ची पगडियाला स्थित एक पार्क में खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी छात्र उसे खेलने के बहाने सुनसान जगह ले गए और वारदात को अंजाम दिया। बच्ची घटना के बारे में अपने माता-पिता को न बता दे, इस डर से आरोपी बच्चों ने उसकी हत्या कर दी और शव को पास की नहर में फेंककर मौके से भाग निकले। पुलिस ने कृष्णा नदी के बैकवाटर में सर्च ऑपरेशन चलाया।

जब तक बॉडी नहीं मिलती, सर्चिंग जारी रहेगी: एसपी

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को साज-सज्जा का सामान भी मिला है। ऐसा सामान आमतौर पर पूजा-पाठ या कुछ रीति-रिवाजों में इस्तेमाल होता है। अब पुलिस काले जादू के एंगल से भी जांच कर रही है। वहीं, नांदयाल की सांसद डॉ. बाइरेड्डी शबरी भी मौके पर पहुंचीं और पुलिस को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। स्थानीय विधायक जी जयसूर्या भी मौजूद रहे। एसपी रघुवीर रेड्डी ने कहा कि जब तक बच्ची की बॉडी नहीं मिल जाती, सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा। इसके लिए एसडीआरएफ की टीमों को भी लगाया गया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची 7 जुलाई से लापता थी। वह घर के पास स्थित पार्क में खेलने गई थी, लेकिन काफी समय गुजर जाने के बाद भी नहीं लौटी। पेरेंट्स ने काफी देर खोजा, लेकिन नाकाम रहे। बाद में उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। शुरुआत में तो पुलिस को भी आरोपियों के बारे में पता नहीं चला। इसके बाद 9 जुलाई को स्निफर डॉग्स की मदद ली गई।

खबरें फटाफट

कलेक्टर ने लगाया तहसील परिसर में पेड़

संजीवनी टुडे

बसवा। गुरुवार को जन सुनवाई के बाद दौसा जिला कलेक्टर ने तहसील परिसर में पेड़ लगाया। पेड़ लगाने के दौरान बताया की पेड़ लगाने से पर्यावरण संतुलित रहता हैं बढ़ती गर्मी को ध्यान में रख़ते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर फार्मासिस्ट अभ्यर्थीयो को नियुक्ति-पत्र जारी करें चिकित्सा मंत्री

संजीवनी टुडे

जयपुर। लम्बे समय से चिकित्सा विभाग की 3067 पदों पर प्रकियाधीन फार्मासिस्ट भर्ती 2023 की अंतरिम चयन सूची चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश पर सीफू संस्थान ने 5 जुलाई को जारी कर दी। फार्मासिस्ट अभ्यर्थी विनोद मीना का कहना हैं कि सीफू संस्थान फार्मासिस्ट भर्ती 2023 की अंतरिम चयन सूची में शामिल अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण-पत्रों का पुनःसत्यापन नर्सिंग भर्ती 2023 के समानांतर (अतिरिक्त टीम लगाकर) जल्द से जल्द करवाकर अंतिम चयन सूची जारी करें। फार्मासिस्ट अभ्यर्थीयो की मांग हैं कि विगत 11 वषों से नियमित पदों की प्रतिक्षा कर रहें बैरोजगार फार्मासिस्टों को 25 सितंबर विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष्य पर अंतिम रूप से चयनित होने वाले अभ्यर्थीयो को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के कर कमलों से नियुक्ति-पत्र जारी किया जाएं।

पाटोत्सव पर सोने के पालने में विराजे द्वारिकाधीश प्रभुः कांकरोली के मंदिर में शयन झांकी में मोती का बंगला सजा

संजीवनी टुडे

राजसमंद ।राजसमंद में कांकरोली स्थित पुष्टि मार्ग की तृतीय पीठ श्री द्वारिकाधीश मंदिर में आज पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आज ही के दिन प्रभु श्री द्वारिकाधीश सर्वप्रथम गोकुल स्थित प्रभु श्री द्वारिकाधीश मंदिर में विराजित हुए तब से कांकरोली के द्वारिकाधीश मंदिर में प्रतिवर्ष श्री द्वारिकाधीश मंदिर में विराजित हुए तब से कांकरोली के द्वारिकाधीश मंदिर में प्रतिवर्ष पाटोत्सव मनाया जाता है। पाटोत्सव के तहत आज श्रृंगार झांकी में प्रभु श्री द्वारिकाधीश को युवराज गोस्वामी वेदांत कुमार द्वारा श्री मस्तक पर अरग जाई, छोटी कूले जिस पर पांच चंद्रिका का सादा जोड़, अरग जाई बड़ा पिछोड़ा, मोती के आभरण, वनमाला धराई गई।श्रृंगार झांकी के बाद ग्वाल के दर्शनों में प्रभु द्वारिकाधीश को सोने के पालने में विराजित कर लाड लड़ाए गए। इसके बाद राज भोग की झांकी में प्रभु श्री द्वारिकाधीश को उत्सव के तहत विशेष भोग लगाया गया। आज प्रभु को पाठ उत्सव पर डबरे का साज भी धराया गया। मंदिर में बधाई के कीर्तन गान किए गए। वही शाम को शयन के दर्शन में रतन चौक में आकर्षक रूप से सजावट कर प्रभु द्वारिकाधीश को मोती के बंगले में विराजित किया गया। इन दर्शनों को करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु द्वारिकाधीश मंदिर पहुंचे।

ऑनलाइन गेम में 70 हजार हारा, युवक ने किया सुसाइडः माता-पिता के बैंक खाते से निकाल कर सट्टा गेम में लगाए थे; घर पर अकेला था

संजीवनी टुडे

नाथद्वारा।ऑनलाइन सट्टा गेम में 70 हजार रुपए हारने के बाद युवक ने घर में फंदे से लटक कर सुसाइड कर लिया। उसने माता-पिता के बैंक अकाउंट से पैसे निकालकर गेम में लगाए थे। मामला राजसमंद जिले के आमेट कस्बे का बुधवार शाम करीब 7 बजे का है। घटना के वक्त युवक घर में अकेला था। पुलिस ने गुरुवार सुबह पोस्टमॉर्टम आमेट थाना इट्टक्रभूर सिंह ने बताया- आमेट कस्बे के बीकावास क्षेत्र की रैगर बस्ती में रहने वाला शिवराज रैगर (22) पुत्र हजारी लाल रैगर ई-मित्र की दुकान पर काम करता था। उसे ऑनलाइन सट्टा गेमिंग का शौक था। कुछ समय पहले भी वह ऑनलाइन गेम खेलते हुए काफी पैसे गंवा चुका था। एएसआई भूर सिंह ने बताया- परिजन से पता चला है कि बुधवार को शिवराज के पिता हजारी लाल रैगर किसी काम से जोधपुर गए थे। परिवार के बाकी सदस्य खेत पर गए थे। शिवराज घर पर अकेला ही था और ऑनलाइन गेम खेल रहा था। सट्टे में अपने पैसे हारने के बाद उसने माता-पिता के बैंक खाते से 70 हजार रुपए निकाल कर ऑनलाइन गेम में लगा दिए और वो भी हार गया। सारे पैसे हारने के बाद वह परेशान हो गया। घर वालों के सामने शर्मिंदा होने के डर से उसने अपने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। शाम करीब 7 बजे शिवराज की पत्नी खेत से घर आई तो उसने पति का शव कमरे में लटका देखा।

जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें: डॉ. सौम्या झा

संजीवनी टुडे

टोंक। राज्य सरकार द्वारा लोगों की व्यक्गित एवं सार्वजनिक समस्याओं का निस्तारण करने के लिए त्रिस्तरीय जनसुनवाई की व्यवस्था की गई है। इसके तहत हर माह ग्राम पंचायत, उपखंड एवं जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन कर आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में पंचायत समिति सभागार देवली में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने परिवादियों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।।जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से पात्र लोगों को अधिकाधिक लाभान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग इन योजनाओं का जन-जन में बेहतर प्रचार-प्रसार करें, ताकि जरूरत मंद लोगो को इन योजनाओं की जानकारी हो सके। जनसुनवाई के दौरान नगर पालिका के संबंधित प्रकरणों में दूनी से आए गोविंद राय ने दुकान का पट्टा जारी करने को लेकर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इसी तरह देवली तहसील की ग्राम बोयड़ा के शंकर लाल मीणा ने कृषि विद्युत कनेक्शन की गुहार लगाई। ग्राम राजमहल के मोहम्मदीन ने प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने के संबंध में अपना प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। निवारिया निवासी शिवराज सिंह ने खातेदारी भूमि से अतिक्रमण हटाने को कहा। बीसलपुर के समस्त विस्थापितों ने विस्थापितों को भूमि आवंटन करने की गुहार लगाई। ग्राम कासीर के समस्त निवासियों ने पीने के पानी की व्यवस्था करने का प्रार्थना पत्र दिया। देवली शहर के लोगों ने बंद पड़े नाले की समस्या से जिला कलेक्टर को अवगत कराया। प्रदीप नगर देवली गांव से आए समस्त लोगों ने पाइप लाइन डालकर पानी का प्रेशर बढ़ाने से अवगत कराया। जनसुनवाई में आये प्रकरणों को जिला कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को देवली कस्बे एवं ग्राम वासियों को हो रही परेशानी का स्थायी समाधान करने के लिए निर्देशित किया। विद्युत एवं पानी की शिकायतों के संबंध में जिला कलेक्टर ने विद्युत एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों को शिकायतों का निस्तारण करने पर जोर दिया। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी को बरसाती नालों की साफ-सफाई बेहतर ढंग से कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आये कुल 30 प्रकरणों में आवासीय पट्टे दिलवाने, सुचारू विद्युत एवं पेयजल सप्लाई, सड़क निर्माण, साफ-सफाई के संबंध में आये परिवाद को जिला कलेक्टर ने धैर्यपूर्वक सुनकर जनसुनवाई में मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी दुर्गाप्रसाद मीणा, देवली प्रधान गणेश राम जाट, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह शेखावत, विकास अधिकारी रानू इंकिया समेत अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान 2024 के तहत जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने कृषि विभाग परिसर में जामुन का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उपखंड अधिकारी दुर्गा प्रसाद मीणा एवं विकास अधिकारी रानू इंकिया से उपखंड क्षेत्र में अभियान के तहत लगाए गए पौधों की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही, आवंटित लक्ष्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने सायला में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं का किया निस्तारण

संजीवनी टुडे

जालोर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं, परिवेदनाओं के निवारण, सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत गुरूवार को जिले के समस्त उपखण्ड मुख्यालयों पर उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई शिविरों का आयोजन किया गया जिनमें आमजन की परिदेनाएं प्राप्त कर प्रकरणों का निस्तारण किया गया। जिला कलक्टर पूजा पार्थ ने पंचायत समिति सभागार सायला में उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्हांने अधिकारियों को केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाने के साथ ही जनता की समस्याओं पर प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए परिवादों के मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विद्युत, पेयजल, सड़क, राजस्व, पंचायतीराज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित परिवेदनाएँ प्रस्तुत हुई जिनकी सुनवाई करते हुए जिला कलक्टर पूजा पार्थ ने विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया तथा शेष प्रकरण राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज कर निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सायला उपखण्ड अधिकारी ताराचंद वैंकट, तहसीलदार हीरसिंह चारण, विकास अधिकारी गौरव विश्नोई सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी सहित जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत माह के द्वितीय गुरूवार को जिले में जालोर, सायला, आहोर, जसवंतपुरा व भीनमाल उपखण्ड मुख्यालयों पर जनसुनवाई का आयोजन कर आमजन से परिवाद प्राप्त कर मौके पर ही विभिन्न समस्याओं का निस्तारण करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

राज्य स्तर पर जिला अस्पताल सलूंबर और जिले के दो चिकित्सक हुए सम्मानित

संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला कलेक्टर के कुशल नेतृत्व में जिले के सभी विभाग कर रहे अच्छे कार्यो के कारण गुरुवार को परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना वर्ष 2023524 के अंतर्गत सलूंबर जिले का जिला अस्पताल सलूंबर ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर और पीपीआईयूसीडी निवेशन में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर ओ टी एस चौराहा झालाना लिंक रोड, झालाना डूंगरी में उक्त पुरुस्कार दिया गया। इस अवसर पर परिवार कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों और संस्थाओं को विश्व जनसंख्या दिवस के दिन सम्मानित किया गया। सलूंबर जिले के डॉ महेन्द्र लोहार एवं डॉ राजेश दोषी को सम्मानित किया गया। जिला अस्पताल को जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में पुरस्कार स्वरूप 1 लाख रूपये और पीपीआईयूसीडी निवेशन में 3 लाख रुपए व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला कलक्टर ने दी बधाई - जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने सराहना करते हुए सीएमएचओ और समस्त स्टाफ को बधाई दी और भविष्य में भी इसी प्रकार के उपलब्धियां अर्जित करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। जिले के जिला अस्पताल का प्रदेश भर में प्रथम स्थान पर आना जिले के लिए गर्व की बात है। इसके लिए जिला अस्पताल और पूरी टीम बधाई के पात्र हैं।

एक पेड़ देश के नाम की महिम शुरू की

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खेरदा में एक पेड़ देश के नाम की मुहिम शुरू करते हुए विद्यालय में सभी स्टाफ साथियों के द्वारा विद्यालय में पांच अशोक के पौधे लगाए गए तथा पौधों की सुरक्षा के लिए ट्रीगार्ड लगाए गए विद्यालय में अध्यनरत बालक बालिकाओं को पांच पांच पेड़ वितरित कर एक पेड़ देश के नाम का संकल्प प्रत्येक बालक बालिकाओं को संस्था प्रधान कैलाश सिसोदिया ने करवाया कि परिवार में जितने भी सदस्य हैं वह सब सदस्य मिलकर एक एक पेड़ देश के नाम लगाकर हमारे भारत को हरा भरा और समृद्ध बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे अभी हाल ही में इतनी इतनी भीषण गर्मी पड़ी इस गर्मी का कारण हमारे यहां पेड़ पौधों का अभाव होना है इसलिए हमारे पर्यावरण को स्वच्छ सुंदर एवं हरा भरा बनाने के लिए हमें प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ अपने देश के नाम लगाना चाहिए और उस पेड़ की अपने संतान जैसी देखभाल करना आवश्यक है तभी हम इस भीषण गर्मी से निजात पा सकेंगे हमारे प्रदेश में कम वर्षा का कारण भी यह है कि हमारे यहां पर बहुत कम मात्रा में वृक्ष लगाए गए हैं बालक बालिकाओं को विद्यालय की ओर से नीम अशोक कनेर गुड़हल हरसिंगार के पौधे वितरित किए गए साथ ही साथ खेरदा के लोगों को भी लोगों को विभिन्न प्रकार के पौधे विद्यालय की ओर से वितरित किए गए इस अवसर परपर रमेश चंद गुप्ता ममता मीना रसाल मीणा सरिता मीना मनोज कुमार जी शर्मा विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

बसवा तहसील में कलेक्टर की उपस्थित में हुई जन सुनवाई, विकास अधिकारी की मिली कई शिकायतें

संजीवनी टुडे

बसवा। जन अभियोग निराकरण विभाग के निर्देशानुसार गुरुवार को बसवा तहसील परिसर में जन सुनवाई दौसा जिला कलेक्टर की उपस्थित में की गयी। जिसमे परिवादियों द्वारा विभिन्न विभागों के 23 परिवाद प्राप्त हुए। जिसमे छात्राओं द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय द्वारा अवैध वसूली, बसवा पंचायत समिति में विकास अधिकारी द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनाये जाने व विकास अधिकारी द्वारा राशन कार्ड का सत्यापम नहीं करने व बिना किसी कमी के आवेदन वापस करने, बड़ियाल खुर्द में हो रहें नरेगा में भस्टाचार,पेयजल, बिजली कटौती जैसे कुल 23 परिवाद मिले जिनका कलेक्टर ने सम्बंधित विभाग को तुरंत करवाई कर निस्तारण करने के निर्देशित किया।

जन सुनवाई में रही बिजली कटौती

जन सुनवाई के दौरान बिजली कटौती के विभिन्न परिवाद मिले। हालांकि जन सुनवाई के दौरान भी बिजली कटोंती का दौर जारी रहा। जिसके कारण जन सुनवाई में बैठे अधिकारियों का गर्मी से बुरा हाल रहा। जन सुनवाई के दौरान बसवा विकास अधिकारी की कई शिकायते प्राप्त हुई परिवादियों द्वारा बताया गया की विकास अधिकारी काम नहीं कर रहें हैं बासडा ब्रम्हांनान निवासी परिवादी अशोक ने बताया की वह उपखण्ड अधिकारी से लेकर शासन सचिव तक गुहार लगा चूका हैं लेकिन बसवा विकास अधिकारी उसकी माताजी का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बना रही हैं वही ईमित्र संचालक ने बताया की बसवा विकासअधिकारी राशन कार्ड का कार्य नहीं कर रही हैं जबकि इसटाइम राशन में के वाई सी का कार्य चल रहा हैं और राशन कार्ड में आवेदन को वापस भेज ये बोल कर भेज दिए जाते हैं की फॉर्म साफ नहीं दिखाई दे रहें हैं राज्य सरकार की सभी योजनाए जन आधार पर निर्धारित हैं जिनका सत्यापन नहीं किया जा रहा हैं जिसके कारण सत्यापन समय अवधिपूरी होने के बाद अपने आप ही सत्यापन हो रहें हैं जिसके कारण गलत जानकारियां भी जन आधार में सेव हो रही हैं जिसके कारण जन आधार में अपडेट होने के कारण राज्य सरकार की योजनाओं का गलत तरिके से उपयोग किया जा सकता हैं।

विश्व जनसंख्या दिवस पर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन कठोर जनसंख्या नीति बनाने की मांग

संजीवनी टुडे

जयपुर। देश में कठोर जनसंख्या नीति लागू करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम उपखंड अधिकारी विराट नगर विकास प्रजापत को जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश संयोजक पवन शर्मा जवानपुरा के नेतृत्व में ज्ञापन पत्र सौंप कर जनसंख्या कानून लागू करने की मांग की है । जिला संयोजक जगदीश यादव सह संयोजक गणपत लाल शर्मा में बताया देश की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है जबकि हमारे संसाधन सीमित है वरिष्ठ भाजपा नेता भोमराज चेची एवं भागीरथ शर्मा ने कठोर जनसंख्या नीति शीघ्र लागू करने की मांग करते हुए कहा देश में असंतुलित तरीके से बढ़ती हुई आबादी के कारण गृह युद्ध की स्थिति बन रही है जिला उपाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल , मंडल महामंत्री सत्यनारायण सैनी एवं नगरपालिका पूर्व उपाध्यक्ष बाबूलाल मीणा ने भी सनातन धर्म की रक्षा के लिए दो बच्चों का कानून लागू करने की मांग की इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, सुभाष योगी, पूर्व पार्षद महेश सैनी, सेडूराम योगी, कैलाश शर्मा, पूरणमल शर्मा, लोकेश शर्मा दाताराम गुर्जर,अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

छात्र संघ चुनाव पुन शुरू करवाने हेतु पूर्व उपमुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी ने लिखा पत्र

संजीवनी टुडे

जयपुर। प्रदेश में छात्र संघ चुनाव बंद होने के कारण लगातार प्रदेश के युवा और छात्र प्रतिनिधी छात्र संघ चुनाव पुन शुरू करवाने के लिए प्रयासरत हैं पूर्व उप मुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी के आईटी सेल संचालक गिरधारी महला और सुरेन्द्र कस्वां हरिपुरा ने पूर्व उप मुख्य महेन्द्र चौधरी की चिट्ठी शेयर करते हुए बताया कि महेन्द्र चौधरी ने माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को चिट्ठी लिखकर पुन छात्र संघ चुनाव शुरू करवाने के लिए पत्र लिखा है साथ ही पत्र के माध्यम से पूर्व विधायक चौधरी ने मुख्यमंत्री को लिखा कि छात्र संघ चुनाव राजनीति की पहली सीढ़ी है सरकार के इस फैसले से हजारों छात्र नेताओं में हताशा है पूर्व उप मुख्य महेन्द्र चौधरी भी छात्र राजनीति से ही राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष बने साथ ही संगठन के कई पदों पर काम कर राजस्थान विधानसभा में पहुंचे और छात्र संघ अध्यक्ष की शपथ लेते ही तत्कालीन सरकार पर दबाव बनाकर हिन्दुस्थान में पहली बार किसी विश्वविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छात्रों के प्रवेश के लिए 5% का बोनस दिलाया इसलिए सरकार को जल्द ही इस और ध्यान आकर्षित कर छात्र संघ चुनाव पुन शुरू करवाने चाहिए जिससे छात्रों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

बाड़े में बंधी बकरियों पर लेपर्ड झपटाः 5 मवेशियों का शिकार किया, ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने की मांग की

संजीवनी टुडे

उदयपुर।उदयपुर जिले के घासा थाना क्षेत्र में बुधवार बीती रात एक बाड़े में बंधी बकरियों का लेपर्ड ने शिकार कर लिया। 5 बकरे-बकरियों की मौत हो गई। घटना मांगथला ग्राम पंचायत के रेतड़ा में मोवनीबाई पत्नी चुन्नीलाल डांगी के घर की है। जहां उनके केलूपोश बाड़े में 2 बकरी और 3 बकरे बंधे हुए थे। लेपर्ड रात के समय बाड़े में आया और वहां बंधी सभी बकरियों पर हमलाहै। जहां उनके केलूपोश बाड़े में 2 बकरी और 3 बकरे बंधे हुए थे। लेपर्ड रात के समय बाड़े में आया और वहां बंधी सभी बकरियों पर हमला किया। हमले में बकरियों को खून से लहूलुहान कर दिया। सुबह जब परिवार के सदस्य जागे। बाड़े की ओर से कोई हलचल नहीं होने पर वहां जाकर देखा तो वे हैरान रह गए। सभी बकरे-बकरियां मृत पड़े थे। उनके शरीर पर गहरे घाव थे। परिवार के लोगों ने इसकी सूचना सरपंच युधिष्ठिर पुरोहित को दी। जिसके बाद सरपंच ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पशु चिकित्सक द्वारा मृत बकरियों का पोस्टमॉर्टम किया गया। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि आसपास जंगल होने से अक्सर लेपर्ड का मूवमेंट रहता है। इससे पहले भी लेपर्ड कई मवेशियों का शिकार कर चुका है।

चिकित्सा व्यवस्था का हालः कागजों में ट्रोमा यूनिट 'जिंदा', हकीकत में मरणासन

सच बेखौफ

बस्सी। सरकार ने जयपुर ग्रामीण जिले के चौमूं, शाहपुरा और बस्सी में उपजिला अस्पताल खोल दिए, लेकिन ट्रोमा इकाई को विकसित नहीं किया। नतीजतन, चिकित्सा संसाधनों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण हादसों में घायल गंभीर मरीजों को गोल्ड आवर में उपचार नहीं मिल रहा है। स्थिति यह है कि हर माह औसतम 100 से अधिक दुर्घटनाएं होती हैं। इनमें हुए घायलों को उप जिला चिकित्सालयों में लाया जाता है तो सीधे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया जाता है। चौमूं में तो ट्रोमा इकाई महज एक छोटे से कमरे में है, जिसमें दो-तीन स्ट्रेक्चर भी मुश्किल से आती हैं। जयपुर ग्रामीण जिले में सुविधायुक्त ट्रोमा सेंटर की कमी खल रही है। बस्सी में आगरा रोड, चौमूं में जयपुर-सीकर हाईवे और शाहपुरा में जयपुर-दिल्ली हाईवे गुजर रहा है, जहां आए दिन सड़क हादसों में लोग घायल हो रहे हैं। घायलों को संबंधित ट्रोमा इकाइयों में पहुंचाया जाता है, लेकिन मरहम-पट्टी के बाद जयपुर रेफर किया जा रहा है। इकाई में विशेषज्ञ चिकित्सक होना तो दूर सामान्य चिकित्सक भी स्थायी रूप से नियुक्त नहीं है। अस्पताल में नियुक्त चिकित्सकों एवं नर्सिंगकर्मियों को रोटेशन के तहत उपचार के लिए लगाया जा रहा है। चौमूं के उपजिला अस्पताल में सालों पहले ट्रोमा सेंटर की सौगात मिली थी, लेकिन सुविधाओं में विस्तार नहीं किया। अस्पताल परिसर में संचालित ट्रोमा दो छोटे कमरों में संचालित है। विशेषज्ञ चिकित्सक के अलावा संसाधन भी नहीं है। इमरजेंसी के दौरान अस्पताल से कॉल पर चिकित्सक बुलाया जाता है। ऐसे में कई बार चिकित्सक के आने में देरी होने पर मरीज की जान पर बन आती है। शाहपुरा उपजिला अस्पताल में प्रतिमाह औसतन करीब 40 क्रिटिकल केसों को सुविधाओं के अभाव में जयपुर रैफर किया जा रहा है। स्थिति यह है कि

ट्रोमा सेंटर में एक्सरे, ईसीजी, जांच, मेडिसिन आदि की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन यह महज सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक ही रहती है। संसाधनों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से गंभीर रूप से घायल व बीमार लोगों को जयपुर रैफर कर दिया जाता है। हादसों में गंभीर रूप से घायल हेडइंजरी, फ्रैक्चर और आग में झुलसे हुए मरीजों को तत्काल इलाज मुहिया कराने के लिए ट्रोमा सेंटर की जरूरत है। इसमें एक ही छत के नीचे आर्थोपेडिक, न्यूरोसर्जरी, बर्न, कार्डियक और प्लास्टिक सर्जरी जैसे एक्सपर्ट डॉक्टर और डायग्नोसिस फ़ेसिलिटी की सुविधा होती है, लेकिन तीनों ही जगहों पर इनकी कमी खल रही है। एसएमएस ट्रोमा सेंटर, जयपुर के सहायक आचार्य (ट्रोमा सर्जरी) डॉ. दिनेश गौरा का कहना है कि अधिकांश दुर्घटना उपनगरीय इलाको में होती हैं। ऐसे में लेवल-1 ट्रोमा सेंटर पहुंचने में कई बार गोल्डन आवर निकल जाता है।

ऐसे में क्रैश की जगह से लेकर सम्पूर्ण इलाज तक एक ''ट्रोमा सिस्टम'' की तरह काम हो। उन्होंने बताया कि प्री-हॉस्पिटल केयर सुदृढ़ हो, विभिन्न लेवल के ट्रोमा सेंटर में समन्वय, संसाधन उपलब्धता एवं ट्रोमा बेस्ड ट्रेनिंग्स तथा अधिक दुर्घटना केस वाले क्षेत्र आइडेंटिफाई करके संबंधित चिकित्सा केंद्र में अधिक फोकस करने की जरूरत है। इससे हादसों में मौत के आंकड़ों में काफ़ी कमी लाई सकती है। चौमूं के ट्रोमा सेंटर में ज्यादा तो सर्जन एवं न्यूरो सर्जन की कमी खल रही है। बड़ी बात यह है कि वर्तमान में एक्स-रे की सुविधा तक नहीं है। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं संसाधनों के अभाव में गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद यहां से रैफर कर दिया जाता है। हल्की सिर की चोट व हड्डियों में फ्रैक्चर एवं घायल मरीजों सहित तकरीबन प्रतिमाह 30 से अधिक घायलों को रैफर किया जा रहा है। यहीं स्थिति बस्सी उपजिला अस्पताल के ट्रोमा की है। यहां से प्रतिमाह 40 से अधिक घायलों को रैफर किया जा रहा है।

इनका कहना है

ट्रोमा सेंटर में सर्जन एवं चिकित्सा संसाधनों की कमी खल रही है। ट्रोमा में अलग से विशेषज्ञ की नियुक्ति नहीं है। अस्पताल में लगे चिकित्सकों को ही नियुक्त कर रखा है। उपलब्ध संसाधनों के आधार पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास कर रहे हैं।

डॉ.सुरेश जांगिड़
चिकित्सा प्रभारी, उपजिला अस्पताल चौमूं

खबरें फटाफट

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित अपराधी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

सराडा।पुलिस थाना सेमारी सर्कल में नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म कि घटना के मामले में दर्ज प्रकरण संख्या 67/2024 धारा 363,366ए, 344,376 (2) (एन), भादस व 5 (एल) (6) पोक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना स्तर पर सेमारी थानाधिकारी गजवीर सिह के नेतृत्व में टीम गठीत कि जाकर वांछित अभियुक्त गणेश (18)पिता हजारी लाल रेबारी निवासी पादडी छोटी थाना सरोदा जिला डुंगरपुर को नया टापरा पुलिस थाना सरोदा जिला डुंगरपुर गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय में पेश किया गया।

जानलेवा हमले के मामले में फरार टॉपटेन अपराधी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। शहर के कुम्भानगर में गत 27 जनवरी को देवीलाल कीर पर आरोपी नरेन्द्र गुर्जर उर्फ नैनु व उसके साथियों द्वारा जानलेवा हमला करने के मामले में सदर चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस ने वांछित आरोपी नरेन्द्र गुर्जर उर्फ नैनु को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया की जिले व थाने के टॉपटेन मे वांछित अपराधियो की धरपकड के लिये थानाधिकारी गजेन्द्र सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व मे थाना के एएसआई नगजीराम, कानि कुलदीप कृष्ण, गजेन्द्र सिंह की पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा मुखबीर की सुचना पर वांछित आरोपी चित्तौड़गढ़ के शनि महाराज मंदिर के पास, सेती निवासी 20 वर्षीय नरेन्द्र गुर्जर उर्फ नैनु पुत्र नारायण गुर्जर को गिरप्तार कर उसके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त कार को जब्त किया गया। अन्य साथी आरोपियों की तलाश जारी हो प्रकरण मे अनुसंधान जारी है। इसी मामले में पुलिस ने पूर्व में विकास उर्फ माया पुत्र किशन लाल गमेती व दिनेश उर्फ दिनु गुर्जर पुत्र श्रवण गुर्जर को गिरफ्तार किया था।

दो साल से फरार दस हजार रूपये का ईनामी बदमाश गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। दो साल पूर्व डोडाचूरा तस्करी के दौरान नाकाबंदी करती पुलिस पर फायर कर फरार हुए ईनामी बदमाश शंकर गाडरी को मंगलवाड थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि दो साल पहले मंगलवाड़ थाना पुलिस द्वारा नाकाबंदी के दौरान एक स्कोर्पियो से 407 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा पकड़ा था, जिसमें आरोपी पुलिस पर फायर कर फरार हो गए थे। पुलिस ने पूर्व में मामले में दस हजार रुपये के ईनामी बदमाश बाड़मेर जिले के सियागों की ढाणी शोभाला जैतमाल थाना धोरीमन्ना निवासी 28 वर्षीय जुंजाराम उर्फ जुगनू पुत्र रेखाराम बेनीवाल जाट को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मामले में वांछित दस हजार रुपये के एक और ईनामी आरोपी शंकरलाल गाडरी की तलाश व गिरफ्तारी हेतु एएसपी चित्तौड़गढ़ परबतसिंह के निर्देशन व वृत्ताधिकारी बडीसादडी डॉ0 कृष्णा सामरिया के सुपरविजन में थानाधिकारी मंगलवाड रामसिंह उ.नि. मय जाप्ता एएसआई देवीलाल, कानि. संजय व गजेन्द्रसिंह द्वारा दस हजार रूपये का ईनामी अपराधी मंगलवाड़ थाने के लक्ष्मीपुरा नेगडिया निवासी 30 वर्षीय शंकरलाल गाडरी पुत्र रामलाल गाडरी को ढूंढिया गांव के पास स्थित महादेव मंदिर के पास स्थित पानी की टंकी के पास से गिरफ्तार किया गया हैं।

अध्यापक एक अध्यापिका को लेकर फरार, पुलिस ने किया दस्तयाब

■ संजीवनी टुडे

अलवर/गोविन्दगढ। एक सरकारी स्कूल के अध्यापक की ओर से सरकारी स्कूल की अध्यापिका को अगवा कर फरार होने का मामला अध्यापिका के पिता की ओर से क्षेत्र के संबंधित थाने में दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि अध्यापिका के पिता ने रिपोर्ट में बताया उसकी पुत्री सरकारी स्कूल में कार्यरत है, जो अपने रूम पर थीं। वहां से अन्य गांव के सरकारी स्कूल में कार्यरत एक अध्यापक उसे और उसके पास रखे सोना-चांदी सहित अन्य आभूषणों को ले गया। पुलिस ने आरोपी अध्यापक और अध्यापिका दोनों को उदयपुर से दस्तयाब कर लिया। पुलिस के सहायक उप निरीक्षक ने बताया कि अध्यापिका के पिता की ओर से मामला दर्ज करवाया गया था। दोनों को दस्तयाब किया गया। दोनों ने गाजियाबाद के कोर्ट से मैरिज की है। लड़की की ओर से मेडिकल कराने से इनकार कर दिया था।

बाल संरक्षण संबंधित जागरूकता अभियान के दौरान बस्सी पुलिस थाना क्षेत्र में हुए आयोजन

जिला पुलिस द्वारा युनिसेफ के सहयोग से बाल संरक्षण हेतु वृत्त स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम जारी

■ संजीवनी टुडे

चित्तौडगढ़। पुलिस अधीक्षक चित्तौडगढ श्री सुधीर जोशी के निर्देशन में बाल संरक्षण विषयों पर व्यापक जागरूकता के लिए वृत्त स्तरीय जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को चित्तौडगढ ग्रामीण वृत्त के बस्सी पुलिस थाने में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृत्ताधिकारी रामेश्वर लाल के मार्गदर्शन में थानाधिकारी पुलिस थाना बस्सी जयेश पाटीदार द्वारा थाना क्षेत्र के बस स्टेण्ड क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में तहसीलदार गजराज मीणा ने बताया कि बालकों को आम नागरिकों से कुछ ज्यादा अधिकार संविधान द्वारा प्रदान किए गए हैं जिनके संरक्षण की जिम्मेदारी प्रशासन के साथ ही आमजन की भी है। उन्होने पुलिस द्वारा जागरूकता के लिए युनिसेफ के सहयोग से किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए नुक्कड नाटक के माध्यम से दी जा रही जानकारी को अमल में लाने तथा किसी भी दुव्यर्वहार की स्थिति में प्रशायन को सूचना देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में थानाधिकारी जयेश पाटीदार द्वारा बाल नशावृति के विरूद्ध उपस्थित लोगो को जागरूक करते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे को किसी भी प्रकार का मादक पदार्थ, शराब या अन्य मन स्वापक पदार्थ देना प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना, बेचना परिवहन कराना भी अधिनियम की धारा 77 एवं 78 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होने उपस्थित आमजन तथा प्रतिभागियों को बताया कि वर्तमान समय में बालकों में यातायात नियमों के उल्लघन, साइबर अपराधों, नशावृति बाल श्रम तथा बाल विवाह जैसी समस्याओं से सामुदायिक जागरूकता के माध्यम से ही रोक लगाई जा सकती है। उन्होने उपस्थित प्रतिभागियों से

अपने आस-पास के क्षेत्र में बाल नशावृति, बाल श्रम बाल विवाह जैसी घटनाओं की सूचना प्रशासन एवं पुलिस को देने तथा साइबर अपराधों के मामलों में हेल्पलाईन 1930 सहित साइबर पुलिस थाने पर त्वरित रूप से रिपोर्ट करने के लिए सुझाव दिए। कार्यक्रम के आयोजन में उदयपुर रेंज पुलिस और युनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम अंतर्गत तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया गया। बाल कल्याण पुलिस अधिकारी बस्सी थाने के लाल चन्द्र द्वारा बताया गया कि किशोर न्याय अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम उम्र के बालक से किसी प्रकार का विधि विरूद्ध श्रम कराना अधिनियम की धारा 79 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होने बाल श्रम नियमन एवं प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताते हुए कहा कि 14 से कम उम्र के किसी भी बच्चे से विधि विरूद्ध कार्य कराना अपराध है, जबकि 14 से 18 वर्ष के बालकों को किसी जोखिम भरे कार्य में नियुक्त करना अपराध है। बस स्टेण्ड पर आमजन और समुदाय पुलिसिंग सदस्यों द्वारा नुक्कड नाटक से ली सीख :- कार्यक्रम आयोजन से पूर्व थाना क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों द्वारा स्पीकर्स के माध्यम से आमजन को जागरूकता कार्यक्रम में आने के लिए आमत्रित किया गया और बस स्टेण्ड पर होने से समुदाय सदस्यों के साथ आमजन ने नुक्कड नाटकों को देखा। कार्यक्रम के दौरान डूंगरपुर जिले के आसपुर से बहुमुखी सांस्कृतिक मंच के कमलेश बामनिया एवं टीम द्वारा नुक्कड नाटकों का मंचन किया गया जिनमें प्रथम नुक्कड नाटक में बाल श्रम एवं बाल विवाह के दुष्प्रभावों तथा रिपोर्ट करने के तरीकों के बारे में बताया गया। इसी प्रकार दूसरे नाटक में यातायात सुरक्षा और नशावृति की रोकथाम के लिए समाज की भूमिका और नशावृति के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। नुक्कड नाटक के दौरान मुख्य कलाकार द्वारा यमराज की भूमिका में यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले युवाओं को आमजन से समझाइश की गई। कार्यशाला के अंत में थानाधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में चित्तौडगढ ग्रामीण वृत्त के 200 से ज्यादा प्रतिनिधि, आमजन एवं पुलिस थाने के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने सुनी आमजन की समस्याएं

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई एवं उनके त्वरित निस्तारण के लिए जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में गुरूवार को लसाडिया में उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान जिला कलेक्टर ने सभी जिला स्तरीय एवं वीसी के माध्यम से जुड़े उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई के दौरान आने वाले प्रकरणों की जांच एवं उनके निस्तारण में कोई कमी न बरती जाए। आमजन की समस्याओं का निस्तारण कम एवं निर्धारित समय में होना चाहिए, साथ ही जिन प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया जा सके उनका निपटारा कर परिवादी को शीघ्र ही राहत पहुंचाने का कार्य करें। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत एवं उपखण्ड स्तरीय स्तर की जनसुनवाई के प्रकरण जिला स्तरीय जनसुनवाई में न आएं। साथ ही सभी अधिकारी परिवादी की समस्याओं की गहराई में जाकर जांच एवं कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवादी को उसकी समस्याओं के संबंध में सकारात्मक एवं संतोषजनक उत्तर देना सुनिश्चित करे। इस दौरान जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने

सभी अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक परिवादी की समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुने। उन्होंने कहा कि जिले में पहल योजना के प्री कैंप और मुख्य कैंप से अधिक से अधिक लाभार्थियों को जोड़ कर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व से संबंधित मामलों में विशेषकर नामान्तरण एवं गैर खातेदारी से खातेदारी वाले प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए उनका निस्तारण करवाएं। उन्होंने समस्त विकास अधिकारियों को आमजन की सामाजिक सुविधाओं से संबंधित कार्यो की पुख्ता मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान सीसी रोड़ एवं पट्टा बनवाने सहित विभिन्न प्रकार के प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें से कई प्रकरणों का मौके पर निस्तारण करवाते हुए अन्य शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। वही एसडीएम पर्वत सिंह चुंडावत ने सेमारी से वीसी के माध्यम से जुड़े और आमजन की परिवेदनाओ का निस्तारण किया। जनसुनवाई के दौरान जिला कलैक्टर जसमीत सिंह संधू, एसडीएम पर्वत सिंह चुंडावत, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं विकास अधिकारी सहित उपखण्ड स्तरीय अधिकारीगण एवं परिवादी उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर विधार्थियों को दी विधिक जानकारी, जनसंख्या का बढ़ना एक गंभीर चिंता

■ संजीवनी टुडे

आहोर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के आदेशानुसार गुरुवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आहोर में विधार्थियों को दी विधिक जानकारी। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के पीएलवी रमेश कुमार बेदाना ने बताया कि सचिव व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश अहसान अहमद के आदेशानुसार विधार्थियों को विश्व जनसंख्या दिवस पर बताया कि हर साल 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है.वही लगातार बढ़ रही जनसंख्या एक गंभीर चिंता का विषय है. बढ़ती जनसंख्या के कारण भुखमरी, गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं. जितनी ज्यादा जनसंख्या उतनी बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता रहा है दौड़ती भागती इस दुनिया ऐसे बहुत लोग हैं जिनके पास

रोजगार नहीं है. शिक्षा और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी बहुत लोग वंचित हैं. बेरोजगारी, भुखमरी, गरीबी और प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से लोग जूझ रहे हैं. इन सभी समस्याओं का एक बड़ा कारण बढ़ती जनसंख्या है.वहीं पीएलवी द्वारा राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम 2011,समाज कल्याण विभाग व श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं छात्रवृत्ति योजना, भरण पोषण का अधिकार, बाल विवाह एक सामाजिक अपराध, कन्या भ्रूण हत्या, मृत्यु भोज के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई इस अवसर पर प्रधानाचार्य जालम सिंह,उप प्रधानाचार्य राजुराम विश्नोई, श्रीमती शिल्पी माथुर, प्रफुल्ल त्रिवेदी, राजवीर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर सोलंकी व छात्र छात्राएं उपस्थिति रही।

वृद्ध जन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

कुण्डई के आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में 80 से60 वर्ष के बुजुर्ग जांच कराने पहुंचे

बड़गाँव। राष्ट्रीय वृद्ध जन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्ध जन स्वास्थ्य शिविर भीण्डर उपखण्ड के कुण्डई आयुर्वेदिक चिकित्सालय में 80से 60 वर्ष की महिलाओं व पुरुषों की जांचविशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई। शिविर में आने वाले मरीजों की जांच में नेत्र परीक्षण, मेडिसिन, सर्जरी, क्षय रोगियों की खखार जांच, नाक कान गला, डेंटल, बीपी, शुगर की जांच पात्र व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड व हेल्थ आईडी बनाई गई। चिह्नित किए गए मरीजों के कार्ड बनाकर दिए गए। जिससे उनकी नियमित रूप से अस्पताल में जांच की जाएगी। फिजियोथैरेपिस्ट ने फिजियोथैरेपी सेवा दी। चिह्नित मरीजों को निःशुल्क फिजियोथैरेपी सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में वृद्धावस्था के दौरान हल्के नियमित रूप से व्यायाम करने, संतुलित भोजन, पूरी नींद लेना, दैनिक दिनचर्या के बारे में भी जागरूक किया गया । वयोवृद्ध स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण मुख्यतः जिसमें 80 वर्ष 60 वर्ष से ऊपर किया गया. व चौसनी बिमारियों से बचाव हेतु क्वाध वितरण गयी किया गया। शौर और औषधियाँ ग्रामीणों को योग से सम्बन्धित जानकारी हा औषधीय पादप से सम्बन्धित जानकारी दी गयी। इक्ढए पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की गयी। 184 लोगों को क्वाथ पिलाया गया और 57 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियों वितरित की गयी? डॉ. अंकिता सियाल आयुर्वेद चिकित्साधिकारी, डॉ. बीरेन्द्र कुमार,ओंकार लाल ,कम्पाउण्डर सत्यनारायण परिचारक ललित चौधरी। कमलेन्द्र सिंह योग प्रशिक्षक मौजूद थे।

विश्व जनसंख्या दिवस मनायाः विधिक जागरूकता शिविर में दी योजनाओं की जानकारी

■ संजीवनी टुडे

नाथद्वारा।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल और तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश प्रवीण कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार गुरुवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर नाथूवास स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में कनिष्ठ सहायक गिर्राज प्रसाद मीणा ने विधिक जागरूकता शिविर में विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व, जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याओं और चुनौतियों, जनसंख्या नियंत्रण के उपाय, परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य, लैंगिक समानता का महत्व सहित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, निशुल्क विधिक सहायता आदि विषयों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। इस दौरान होमगार्ड जानकी शर्मा, देवी कान्ता गुर्जर, ज्योति वैष्णव, पूरण माली और अभिलाषा कंवर आदि मौजूद थी।

कुछ विद्यालयों में गैस की टंकी और अनाज की चोरी की घटनाओ के बाद मध्यान भोजन बनाने में आ रही समस्या के तुरंत समाधान की मांग की

■ संजीवनी टुडे

भटेवर।राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) का प्रतिनिधि मंडल शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी प्रा. शि. मुख्यालय कार्यालय उदयपुर से मिलने पहुंचा। जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह झाला, प्रांतीय शिक्षा समिति सदस्य राजेंद्र सिंह सारंगदेवोत व जिला कोषाध्यक्ष मंगल कुमार जैन ने कार्यालय में उपस्थित अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रा. शि. को ज्ञापन सौंप कर दूरभाष पर जिला शिक्षा अधिकारी वींरेंद्र सिंह यादव से शिक्षकों की समस्यायों से अवगत कराकर समाधान की मांग की। जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी मु. प्रा. शि. विरेन्द्र सिंह यादव ने 1080 शिक्षकों के स्थाईकरण के प्रकरण आज ही अनुमोदन के लिए जिला परिषद को भेजने, कार्यालय में लम्बित एसीपी और एमएसीपी के 100 शिक्षकों के आदेश विधि विभाग की टिप्पणी प्राप्त होते ही जारी कर देने , व कार्यालय में लंबित 93 प्रकरण के भी एसीपी व एमएसीपी के आदेश शीघ्र जारी करने पर सहमति जताई। मीडिया प्रभारी गोपाल मेहता

मेनारिया के अनुसार शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा नोशनल लाभ दिये जाने के आदेश जारी किए हैं ,उसी प्रकार समान प्रकरणों में प्रारंभिक शिक्षा के शिक्षकों को भी नोशनल लाभ दिए जाने की मांग पिछले कई महीनों से लंबित चल रही है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा अधिकारी की तर्ज पर ही प्रारंभिक शिक्षा में ऐसे ही समान प्रकरणों में नोशनल लाभ नहीं देकर शिक्षकों के साथ भेद किये जाने पर तीव्र रोष व्यक्त किया। जिला शिक्षा अधिकारी यादव ने इस सम्बन्ध में बताया कि शिक्षकों को नोशनल लाभ देने के विषय पर निदेशालय से मार्गदर्शन मांगा है। निदेशालय से जो भी मार्गदर्शन मिलेगा उसके अनुसार आदेश जारी किए जाएंगे। शिक्षक संघ ने निदेशालय से मार्गदर्शन मांगने के नाम पर नोशनल लाभ देने की कार्रवाई को लटका कर रखने की निंदा की व इस पर असंतोष व्यक्त किया।

इसी के साथ विभिन्न विद्यालयों में गैस की टंकी और अनाज की चोरी हो रही हैं। जिसमें एमडीएम बनाने के लिए गैस की टंकी चोरी हो जाने पर संबंधित विद्यालयों को एमडीएम बनाने में रसोई गैस के अभाव में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एमडीएम बनाने में आने वाली समस्याओं से अवगत कराते हुए ऐसे विद्यालयों को नई गैस की टंकी खरीदने के लिए तुरंत बजट व स्वीकृति उपलब्ध करवाने की मांग की। इस सम्बंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने उचित समाधान करने का आश्वासन दिया।

कार पर पलटा केमिकल से भरा टैंकर, 4 की मौतः पहले ट्रेलर से हुई टक्कर; 2 भाई, मां और पत्नी के शव गाड़ी में बुरी तरह चिपके

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद।राजसमंद में हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। पहले ट्रेलर और टैंकर की भिड़ंत हुई। इसके बाद केमिकल से भरा ट्रैकर क्रेटा कार पर पलट गया। कार सवार सभी लोग टैंकर के नीचे दब गए। हादसा चारभुजा थाना सर्किल में राजसमंद-गोमती फोरलेन (उदयपुर-ब्यावर हाईवे) पर मानसिंह का गुढा में हुआ। मरने वाले सभी केलवाड़ा (राजसमंद) के रहने वाले थे। लंबे समय से यह परिवार उदयपुर के हिरणमगरी के सेक्टर 4 में रह रहे थे। मरने वालों में 2 भाई, मां और पत्नी शामिल एसपी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि हादसा आज (गुरुवार) सुबह करीब सवा 8 बजे ढलान नुमा रोड पर हुआ। टैंकर में केमिकल (बेंजीन) भराथा। यह केमिकल बहुत ही अधिक ज्वलनशील होता है। एसपी ने बताया कि गौमती से राजसमंद की ओर केमिकल से भरा टैंकर व ट्रेलर एक ही दिशा में आ रहे थे। इस दौरान मानसिंह का गुढा गांव में केमिकल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क की दूसरी साइड में सामने से आ रही कार पर जा गिरा। जिससे

कार बुरी तरक से पिचक गई। उदयपुर से ब्यावर जा रहे थे क्रेटा कार सवार एसपी के अनुसार, क्रेटा कार में सवार एक ही परिवार के 4 लोग सुबह उदयपुर से ब्यावर के लिए जा रहे थे। तभी हादसा हो गया। कार में दीनबंधु (32) पुत्र जगदीश उपाध्याय, पुरुषोत्तम उर्फ पवन उपाध्याय (40), पुत्र जगदीश उपाध्याय, रेणुका उपाध्याय (34) पत्नी पुरुषोत्तम उपाध्याय, मनसुख देवी (68) पत्नी जगदीश उपाध्याय सवार थे। दीनबंधु और पुरुषोत्तम सगे भाई थे। रेणुका पुरुषोत्तम की पत्नी थीं। मनसुख देवी दीनबंधु और पुरुषोत्तम की मां थीं।

हाईवे पर जाम लगा

एसपी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 4 बड़ी क्रेन, 4-5 एंबुलेंस को तत्काल प्रभाव से मौके पर बुलाया गया। स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू में काफी मदद की। रेस्क्यू के दौरान काफी मशक्कत के बाद शवों को कार से बाहर निकाला गया। इसके बाद राजसमंद हॉस्पिटल पहुंचाया गया। क्रेन से टैंकर को सीधा करवाया गया। क्षतिग्रस्त वाहनों के कारण हाईवे पर जाम लग गया था। उन गाड़ियों को हटवाकर यातायात सुचारू करवाया गया है। हादसे की सूचना के बाद राजसमंद कलेक्टर डॉ. भंवरलाल सहित केलवा और चारभुजा पुलिस

थाने से फोर्स मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद टैंकर से काफी देर तक केमिकल निकलता (बहता) रहा। रिश्तेदार से मिलने जा रहा था पूरा परिवार दीनबंधु, उनके भाई व परिवार के अन्य सदस्य गुरुवार सुबह ब्यावर में रिश्तेदार से मिलने कार से जा रहे थे। दीनबंधु के पिता जगदीश चंद्र उपाध्याय ग्राम सचिव रहे थे। उनकी 4 साल पहले मौत हो चुकी है। पुरुषोत्तम उपाध्याय बैंक से संबंधित फाइनेंस का काम करते थे। इनका 1 बेटा है अनंत जो 12वीं कक्षा में पढ़ता है। पुरुषोत्तम के भाई दीनबंधु पेशे से इंजीनियर थे। इनकी 2 बेटियां है। अब परिवार में दीनबंधु की पत्नी वर्षा उपाध्याय और इनकी 2 बेटियां तन्वी (9), डेढ़ साल की छोटी बेटी बेनू और पुरुषोत्तम उपाध्याय के बेटे समेत 4 लोग बचे है।

अवैध बजरी परिवहन करने पर ट्रैक्टर ट्रॉली जब्तः बिना नंबर की ट्रॉली में ले जा रहे थे बजरी, डॉक्यूमेंट भी नहीं थे

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। राजसमद में अवध बजरी खनन के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की। रेलमगरा पुलिस थाना इंचार्ज प्रभु सिंह चुण्डावत के अनुसार पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिले में अवैध बजरी खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में रेलमगरा थाना सर्कल में गिलुण्ड पुलिस चौकी के जाब्ता व कोलपुरा गांव के लोगों की मदद से बिना नम्बर की ट्रैक्टर ट्रॉली रुकवाई जिसमें अवैध बजरी परिवहन की जा रही थी। पुलिस ने जब बजरी परिवहन करने को लेकर डॉक्यूमेंट मांगे तो चालक के पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं थे। जिसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को पुलिस चौकी गिलुण्ड में खड़ा करवाया। पुलिस के अनुसार बिना नम्बर का ट्रैक्टर रतन लाल भील पुत्र शांति लाल भील निवासी कुण्डिया गांव के नाम है। पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन को लेकर माइनिंग विभाग को भी सूचना की जिस पर मौके पर विभाग के कर्मचारी पहुंचे और कार्रवाई की।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

भारतीय स्टाम्प क़ानून का होगा सरलीकरण

दरअसल स्टाम्प क़ानून को बदलने की प्रक्रिया पिछले दो दशक से चल रही है। आपको यदि ध्यान हो तो देश में 20 वर्ष से भी अधिक समय पूर्व 20,000 करोड़ रुपए का एक फ़र्ज़ी स्टाम्प घोटाला उजागर हुआ था। उस घोटाले के बाद स्टाम्प क़ानून में बड़े पैमाने पर बदलाव की बात की गई थी एवं इसकी शुरुआत स्टाम्प को सीरीयल नम्बर प्रदान कर की गई थी। इसके बाद ई-स्टाम्पिंग का दौर आया। परंतु, फिर समस्या ये आई कि अलग अलग राज्यों में स्टाम्पिंग ड्यूटी की अलग अलग दरें हैं फिर इसमें किस प्रकार एकरूपता लाई जाय। यह सब प्रक्रिया पिछले लगभग 14 वर्षों से चली आ रही है। अमूमन हम जब स्टाम्प ड्यूटी की बात करते हैं तो हमें लगता है कि केवल ज़मीन जायदाद की ख़रीद फ़रोक्त से सम्बंधित मामलों पर ही यह लागू होती है। यह जानकारी शायद बहुत कम लोगों को रहती है कि शेयर बाज़ार एवं म्यूचूअल फ़ंड से सम्बंधित लेनदेन भी इसके दायरे में आते हैं। परंतु स्टाम्प ड्यूटी को शेयर बाज़ार एवं म्यूचूअल फ़ंड से सम्बंधित लेनदेन के मामलों पर लागू करने में मुख्य समस्या यह आती है कि इसे कहाँ पर अर्थात शेयर ख़रीदने वाले के स्थान पर लागू किया जाय अथवा शेयर बेचने वाले के स्थान पर लागू किया जाय एवं इसे किस राज्य की दरों के साथ लागू किया जाय। साथ ही, शेयर अथवा म्यूचूअल फ़ंड के एक ही प्रकार के लेनदेन के लिए कई अलग अलग दरें लागू की जा रही थीं जिसके परिणामस्वरूप न्यायिक विवाद की भी घटनाएँ सामने आईं, जिससे प्रतिभूति बाज़ार में लेनदेन की लागत बढ़ गई एवं पूँजी निर्माण को नुक़सान होने लगा।

यूँ अगर अब देखा जाय तो शेयर बाज़ार एक बहुत ही बड़ा बाज़ार बन गया है। इसमें अब एक ही प्रकार की स्टाम्प ड्यूटी की दरों को लागू किए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि अब यह वन नेशन वन मार्केट बन गया है अर्थात आप देश के किसी भी प्रदेश में बैठकर अपने शेयर एवं म्यूचूअल फ़ंड बेचकर स्टॉक मार्केट में व्यापार कर सकते हैं। अतः स्टाम्प पेपर क़ानून से जुड़े हुए उक्त वर्णित समस्त विवादों एवं इसी प्रकार के अन्य विवादों का निपटारा करने के लिए वर्ष 2018-19 के बजट में इन प्रावधानों में संशोधन की बात की गई थी किंतु इन्हें समय पर नोटिफ़ाई नहीं किया जा सका था। परंतु, केंद्र सरकार द्वाराअब 1 जुलाई 2020 से भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 में वित्त अधिनियम, 2019 के भाग 1, अध्याय के तहत प्रस्तावित संशोधनों को लागू कर दिया गया है। अब देश भर में स्टाम्प क़ानून के नए नियमों के लागू होने के बाद शेयर एवं म्यूचूअल फ़ंड की खरीद फ़रोक्त के व्यवहारों पर पूरे देश में स्टाम्प ड्यूटी की एक ही दर लागू होगी। दूसरे, अभी तक अलग अलग राज्य सरकारों द्वारा स्टाम्प ड्यूटी की वसूली की जातीथी परंतु अब अधिसूचित एजेन्सी द्वारा स्टाम्प ड्यूटी सम्बंधी करों का संग्रहण किया जाएगा एवं पूरे एक माह में किए गए संगृहीत कर को तीन सप्ताह के अंदर सम्बंधित राज्य सरकारों के ख़ज़ाने में जमा करा दिया जाएगा। इससे पूरे देश में स्टाम्प ड्यूटी से सम्बंधित नियमों का एकीकरण हो गया है। स्टाम्प ड्यूटी सम्बंधित नियमों को लागू किए जाने को भी आसान बना दिया गया है। नए नियमों के अनुसार जिस प्रदेश में निवेशक लेनदेन कर रहा है उसी प्रदेश सरकार को स्टाम्प ड्यूटी की राशि मिलेगी। स्टॉक एक्स्चेंज के पास इसकी जानकारी रहती है कि किस शहर के निवेशक ने शेयर ख़रीदा अथवा बेचा है अतः राज्य का पता इनके पास रहता है। दूसरे, यह टैक्स शेयर अथवा डिबेंचर के क्रेता के ऊपर लागू होगा जो व्यक्ति शेयर अथवा डिबेंचर बेच रहा है उसके ऊपर किसी भी प्रकार की स्टाम्प ड्यूटी लागू नहीं होगी। जबकि वर्तमान में लागू नियमों के अनुसार ख़रीददार एवं विक्रेता दोनों के ऊपर ही स्टाम्प ड्यूटी लागू होती थी। उदाहरण के तौर पर, अभी मोटे तौर पर 1 करोड़ रुपए के शेयर अथवा डिबेंचर के लेनदेन पर क़रीब 1000 रुपए क्रेता एवं 1000 रुपए विक्रेता को स्टाम्प ड्यूटी देना होती थी। जबकि अब केवल क्रेता को ही 1500 रुपए देने होंगे एवं विक्रेता को किसी भी प्रकार की स्टाम्प ड्यूटी अदा नहीं करनी होगी। इस प्रकार, कुल मिलाकर स्टाम्प ड्यूटी की लागू दर भी कम कर दी गई है। स्टाम्प क़ानून के लागू किए गए नए नियमों के अनुसार, अब डिपॉज़िटरी के ऊपर भी यह स्टाम्प ड्यूटी लागू की गई है। डिपॉज़िटरी में अभी तक कोई स्टाम्प ड्यूटी लागू नहीं थी। स्टाम्प क़ानून में हाल ही में किए गए संशोधनों से एक तो इन नियमों का सरलीकरण हो गया है तथा सारी अस्पष्टताएँ समाप्त कर दी गई हैं। दूसरा, इससे राज्यों की आय बढ़ेगी। साथ ही, विभिन्न डिपॉज़िटरीज़, स्टॉक एक्स्चेंज, क्लीरिंग कोरपोरेशन, म्यूचूअल फ़ंड्ज़ के रजिस्टर्ड ट्रान्सफ़र एजेंट्स को शेयर एवं म्यूचूअल फ़ंड की ख़रीद फ़रोक्त का पूरा हिसाब रखना होगा एवं स्टाम्प ड्यूटी की वसूली भी निवेशक से करनी होगी।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

चातुर्मास संस्कृति एक अमूल्य धरोहर है

विचार बिन्दु

ललित गर्ग

वर्षावास जैन परम्परा में साधना का विशेष अवसर माना जाता है। इसलिए इस काल में वे आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके अध्यात्म प्रवचन ज्ञान के स्रोत तथा जीवन के मंत्र सूत्र बन जाते हैं। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना।

वर्षा ऋतु के चार महीने व्रत, भक्ति एवं धर्माराधना के लिये निर्धारित है, जिसे 'चातुर्मास' कहा जाता है। भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में चातुर्मास का विशेष महत्व है। हमारे यहां मुख्य रूप से तीन ऋतुएँ होती हैं- ग्रीष्म, वर्षा और शरद। वर्ष के बारह महीनों को इनमें बाँट दें, तो प्रत्येक ऋतु चार-चार महीने की हो जाती है। वर्षाकालीन ये चार माह की अवधि साधना-काल एवं आध्यात्मिक प्रशिक्षण का अवसर होता है। एक ही स्थान पर रहकर साधना की जाती है। चातुर्मास में ज्ञानी मुनिजनों के मुख से शास्त्र-वाणी का श्रवण करने से भौतिकता के साथ-साथ आध्यात्मिक का भाव पुष्ट होता है। त्याग-प्रत्याख्यान में वृद्धि होती है। कर्म निर्जरा के लिए पराक्रम के प्रस्फोट की पेरणा मिलती है। गांव और घर-घर में तप आराधना का ज्वार-सा आ जाता है। जो न केवल जीवन की दिशाओं को ही नहीं बदलता बल्कि जीवन का ही सर्वांगीण रूपान्तरण भी कर देता है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह-अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम् का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है।

यो तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते है, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है। यह अवधि चरित्र निर्माण की चैकसी का आव्हान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग में आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज एवं धर्म में आस्थाशील व्यक्ति भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है।

वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। चातुर्मास शुभारंभ पर सम्पूर्ण देश में जगह-जगह आध्यात्मिक कार्यक्रमों की गरिमापूर्ण प्रस्तुति देखने को मिलती है। इस दिन से तप की गंगा प्रवहमान हो जाती है।

जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। वे कर्म संस्कारों के रूप में चेतना पर परत-दर-परत जमी राख को भी हवा देते हैं। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है।

संत धरती के कल्पवृक्ष होते हैं। संस्कृति के प्रतीक, परम्परा के संवाहक, जीवन कला के मर्मज्ञ और ज्ञान के रत्नदीप होते हैं। उनके सामीप्य में संस्कृति, परम्परा, इतिहास, धर्म और दर्शन का व्यवस्थित प्रशिक्षण लिया जा सकता है। उनका उपदेश किसी की ज्ञान चेतना को जगाता है तो किसी की विवेक चेतना को विकसित करता है। किसी को आत्महित में प्रवृत्त करता है तो किसी को चित्तगत संक्लेशों से निवृत्त करता है। ठीक इसी तरह श्रावक भी संवदेनाओं एवं करुणाशीलता के फैलाव के लिये जागरूक बनते हैं। यह इस अवधि और इसकी साधना का ही प्रभाव है कि श्रावक की संवेदनशीलता इतनी गहरी और पवित्र हो जाती है कि वह अपने सुख की खोज में किसी को सुख से वंचित नहीं करता। किसी के प्रति अन्याय, अनीति और अत्याचार नहीं होने देता। यहां तक की वह हरे-भरे वृक्षों को भी नहीं काटता और पर्यावरण को दूषित करने से भी वह बचता है।

चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ-साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए है। यह अवधि जिसमें कुछ व्यक्ति सामूहिक रूप से ध्यान, साधना, तपोयोग या मंत्र अनुष्ठान करना चाहें, उनके लिये उपहार की भांति है। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु-साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। बाहर-भीतर के वातावरण को शांति से भर दे। जो स्वयं शांत रस में सराबोर रहता है तथा औरों के लिए सदा शांति का अमृत छलकाता रहता है। एक तरह से अध्यात्म एवं पवित्र गुणों से किसी क्षेत्र और उसके लोगों को अभिस्नात करने के लिये चातुर्मास एक स्वर्णिम अवसर है।

वर्षावास जैन परम्परा में साधना का विशेष अवसर माना जाता है। इसलिए इस काल में वे आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके अध्यात्म प्रवचन ज्ञान के स्रोत तथा जीवन के मंत्र सूत्र बन जाते हैं। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। आज की भौतिक सुखवादिता एवं सुविधावादी दृष्टिकोण ने जहां प्राकृतिक क्षेत्र में प्रदूषण फैलाया है उससे कहीं ज्यादा मन के गलत विचारों ने मानवीय संवेदना को प्रदूषित किया है। इन जटिल से जटिल होने हालातों को बदलने के लिये और जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म-निरीक्षण का अनुष्ठान है। यह महत्वाकांक्षाओं को थामता है। इन्द्रियों की आसक्ति को विवेक द्वारा समेटता है। मन की सतह पर जमी राग-द्वेष की दूषित परतों को उघाड़ता है। करणीय और अकरणीय का ज्ञान देता है तभी जीवन की दिशायें बदलती है।

जब धरती से प्रकट हुए थे भगवान शिव और महाकाल मंदिर का ऐसे हुआ निर्माण

शिव पुराण के अनुसार उज्जैन में बाबा महाकाल का मंदिर काफी प्राचीन है। इस मंदिर की स्थापना द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण के पालन करता नंद जी की 8 पीढ़ी पूर्व हुई थी। जैसा कि आप सभी जानते होंगे कि 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक इस मंदिर में दक्षिण मुखी होकर विराजमान है। मध्यप्रदेश की धार्मिक राजधानी यानी अवंतिका, उज्जैयिनी समेत कई नामों से प्रसिद्ध शहर उज्जैन। जहां भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है। मां शिप्रा के तट पर बसा हुआ शहर अपनी धार्मिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है। उज्जैन को भगवान महाकाल की नगरी कहते हैं।

शिव पुराण के अनुसार उज्जैन में बाबा महाकाल का मंदिर काफी प्राचीन है। इस मंदिर की स्थापना द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण के पालन करता नंद जी की 8 पीढ़ी पूर्व हुई थी। जैसा कि आप सभी जानते होंगे कि 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक इस मंदिर में दक्षिण मुखी होकर विराजमान है। महाकाल मंदिर के शिखर के ठीक ऊपर से कर्क रेखा गुजरी है। इसी वजह से इसे धरती का नाभि स्थल भी माना जाता है। उज्जैन के राजा प्रद्योत के काल से लेकर ईसवी पूर्व दूसरी शताब्दी तक महाकाल मंदिर के अवशेष प्राप्त होते हैं। महाकालेश्वर मंदिर से मिली जानकारी के अनुसार ईस्वी पूर्व छठी सदी में उज्जैन के राजा चंद्रप्रद्योत ने महाकाल परिसर की व्यवस्था के लिए अपने बेटे कुमार संभव को नियुक्त किया था। कहा जाता है कि 10 वीं सदी के अंतिम दशकों में पूरे मालवा पर परमार राजाओं का कब्जा हो गया। 11 वीं सदी के आठवें दशक में गजनी सेनापति द्वारा किए गए आघात के बाद 12 वीं सदी के पूर्वार्ध में उदयादित्य एवं नर वर्मा के शासनकाल में मंदिर का पुनर्निमाण हुआ।

इसके बाद सुल्तान इल्तुतमिश ने महाकालेश्वर मंदिर पर दोबारा आक्रमण कर इसे ध्वस्त कर दिया लेकिन मंदिर का धार्मिक महत्व हमेशा बरकरार रहा। 14वीं व 15वीं सदी के ग्रंथों में महाकाल का उल्लेख मिलता है। 18 वीं सदी के चौथे दशक में मराठा साम्राज्य का मालवा पर अधिपत्य हो गया। जिसके बाद पेशवा बाजीराव प्रथम ने उज्जैन का प्रशासन अपने विश्वस्त सरदार राणौजी शिंदे को सौंपा। जिनके दीवान थे सुखटंकर रामचंद्र बाबा शैणवी। जिन्होंने 18वीं सदी में मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया। वर्तमान में जो महाकाल मंदिर स्थित है उसका निर्माण राणौजी शिंदे ने ही करवाया है। वर्तमान में महाकाल ज्योतिर्लिंग मंदिर के सबसे नीचे के भाग में प्रतिष्ठित है। मध्य के भाग में ओंकारेश्वर का शिव लिंग है तथा सबसे ऊपर वाले भाग पर साल में सिर्फ एक बार नागपंचमी पर खुलने वाला नागचंद्रेश्वर मंदिर है। मंदिर के 118 शिखर स्वर्ण मंडित हैं, जिससे महाकाल मंदिर का वैभव और अधिक बढ़ गया है। धार्मिक कथाओं में कहा गया है कि अवंतिका यानी उज्जैन भगवान शिव को बहुत पसंद है। उज्जैन में शिव जी के कई प्रिय भक्त रहते थे। एक समय की बात है जब अवंतिका नगरी में एक ब्राह्मण परिवार रहा करता था। उस ब्राह्मण के चार पुत्र थे। दूषण नाम का राक्षस ने अवंतिका नगरी में आतंक मचा रखा था। वह राक्षस उज्जैन के सभी वासियों को परेशान करने लगा था। राक्षस के आतंक से बचने के लिए उस ब्राह्मण ने भगवान शिव की अर्चना की। ब्राह्मण की तपस्या से खुश होकर भगवान शिव धरती फाड़ कर महाकाल के रूप में प्रकट हुए और उस राक्षस का वध करके उज्जैन की रक्षा की। उज्जैन के सभी भक्तों ने भगवान शिव से उसी स्थान पर हमेशा रहने की प्रार्थना की। भक्तों के प्रार्थना करने पर भगवान शिव अवंतिका में ही महाकाल ज्योतिर्लिंग के रूप में वहीं स्थापित हो गए।

12 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1994	फ़िलिस्तीनी मुक्ति संगठन के अध्यक्ष यासर अराफात 27 वर्षों का निर्वासित जीवन जीने के बाद गाजा पट्टी में आये।
1998	16वें विश्वकप फ़ुटबाल के फ़ाइनल में फ़्रांस ने ब्राजील को 3-0 से हराया।
2001	भारत और बांग्लादेश अगरतल्ला और ढाका के बीच 'मैत्री' बस सेवा प्रारम्भ।
2003	उत्तर और दक्षिण कोरिया परमाणु हथियार मुद्दे पर बातचीत के लिए सहमत।
2005	मशहूर क्रिकेट अंपायर डेविड शेफ़र्ड ने सन्न्यास लिया।
2006	इस्त्रायल ने अपने दो सैनिकों के बंधक बनाये जाने के बाद लेबनान पर हमला किया।
जन्मे व्यक्ति	
1982	अचंत शरत कमल - भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी।
1916	लुडमिला पावलीचेंको - दूसरे विश्वयुद्ध की वीरांगना महिलाओं में से एक थीं।
1909	बिमल राय - हिन्दी फ़िल्मों के एक महान फ़िल्म निर्देशक।
1895	दुर्गा प्रसाद खत्री - हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यास लेखकों में से एक।
निधन	
2005	पी. के. वासुदेवन नायर - भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिनका सम्बंध राजनीति दल 'भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी' से था।
2002	घनश्यामभाई ओझा - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और गुजरात के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।
1999	राजेंद्र कुमार - हिन्दी फ़िल्मों के प्रसिद्ध सदाबहार अभिनेता।

कोई पैसे से अमीर-गरीब नहीं होता, मन से अमीर या गरीब होता

विचार बिन्दु

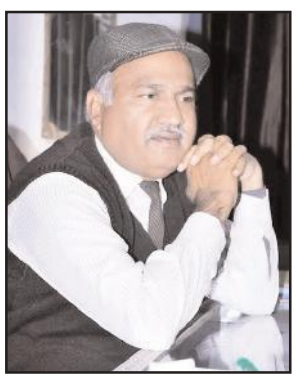

विजय गर्ग

प्रवाह कभी एक समान नहीं रहता, वह आपको सचेत करता रहता है कि तब ऐसा था और अब ऐसा है। प्रवाह को रोकने की कोशिश करने पर विस्फोट होने की आशंका अधिक होती है।

सीखने की प्रक्रिया के दो आयाम हैं। एक कहता है कि कड़ी मेहनत करो और कुछ पा लो, दूसरा कहता है कि सायास कुछ मत करो, जो जैसा हो रहा है उसे वैसा होने दो। सायास कुछ न करने के गणित को समझने के लिए पहले सायास करना जरूरी है। यह ठीक वैसा ही है जैसे निर्विकार को समझने के लिए पहले किसी आकार पर ध्यान केंद्रित करना पड़ता है। किसी दृष्टिहीन को दृष्टि नहीं मिल जाती तब तक उसकी छड़ी ही उसका सहारा होती है, वैसे ही सायास और अनायास की प्रक्रिया है। दृष्टि मिल जाने पर आपको सायास किन्हीं वस्तुओं को टटोलना नहीं पड़ता, वे आपकी आंखों के सामने अनायास आ जाती हैं, आपको सामने रखी वस्तु दिख जाती है। अगर एक बार आपको अनायास करने की आदत लग जाती है, तो चीजें अधिक आसान हो जाती हैं, क्योंकि तब आप किसी दूसरी वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिति, स्थान आदि को अपने से ऊंचा दर्जा नहीं देते। सब समान हैं और सबके लिए समान हैं तो आपके लिए भी वह संभव हो जाता है, जो किसी और के लिए संभव हो सकता है। मार्शल आर्ट में हमेशा कहा जाता है कि शरीर को ढीला छोड़ो, तब ऊर्जा का प्रवाह आसानी से हो सकता है। शरीर हो या अन्य कोई चीज, जब आप उसे ढीला छोड़ देते हैं कि जैसा होना है, होने दो तो जल, विद्युत, वायु के प्रवाह की तरह वह प्रवाह आसानी से होने लगता है।

प्रवाह कभी एक समान नहीं रहता, वह आपको सचेत करता रहता है कि तब ऐसा था और अब ऐसा है। प्रवाह को रोकने की कोशिश करने पर विस्फोट होने की आशंका अधिक होती है, इसलिए उसे बहते रहने देना है, सायास न रोकना है, न बंद करना है, न उसके आड़े आना है। इस स्थिरता को बनाए रखने के लिए आपको यह मानना होगा कि आप जो चाहते थे, वह आपके पास है। किसी चीज की आस नहीं करनी कि ऐसा होगा तो वैसा हो जाएगा, बल्कि इसके विपरीत सोचना है कि अगर वैसा हो जाता है तो आप कैसा व्यवहार करेंगे और वैसा व्यवहार करना है। कहते हैं कि कोई पैसे से अमीर-गरीब नहीं होता, मन से अमीर या गरीब होता है। अपने आप पर संदेह न करें कि हम ऐसा कर सकेंगे या नहीं, न ही अपने आप को रोकना है। आप अगर अच्छा महसूस करने लगेंगे तो आप किसी बात को लेकर उत्साहित भी होंगे अन्यथा निराशा आपको कब घेर लेगी, पता भी नहीं चलेगा। उत्साह है, इसका अर्थ है कि आप सही मायने में जी रहे हैं। खींच-तानकर अगर आप अपने भीतर उत्साह ला रहे हैं तो वह उत्साह नहीं, उसका छलावा है और छलावों से हमें बचना है। उत्साहित, उल्लसित होना ही जीवन है। यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है और न ही हर समय खुश और उत्साहित रहना असंभव है। उत्साहित बने रहना इस बात का प्रतीक है कि आप जिस बात में विश्वास करते हैं उसके प्रति पूरी तरह आश्वस्त हैं।

आप अपने अच्छे दिनों को लेकर सोचिए। उन अच्छे दिनों को जीते रहिए, उन्हें याद कीजिए, बुरे दिन, बुरी घटनाओं को नहीं। हमेशा से कहा जाता रहा है कि अगर आप किसी को हरा नहीं सकते तो उनके साथ हो लीजिए। इसका अर्थ है कि सहजीवन और साहचर्य के अर्थ को नए सिरे से समझिए। अगर आप कुछ जान नहीं पा रहे तो उसे लेकर भी हताश मत होइए। ठीक है कि कई बातों से हम अनजान होते हैं, मगर अनजाने के साथ वैसे जीने का हुनर आना चाहिए जैसे हम उसे भली-भांति जानते हैं। मत भूलिए कि आप जो चाहते हैं वह पहले से मौजूद है। आप इस दुनिया का एक हिस्सा हैं तो दुनिया में जो है आप उससे बाहर कुछ नहीं चाह सकते। चिंता और संदेह को दूर कर दीजिए। अधैर्य के बजाए धीरज से काम लीजिए। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित कीजिए और जोखिम उठाने की हिम्मत कीजिए। आप जो चाहते हैं वह होकर रहेगा, कैसे, कब इसकी चिंता करने की कोई तुक नहीं है।

आपका ध्येय अपने आप को ऊंचा उठाना है, आपके जीवन में जो बेहतर आने वाला है, उसके लिए खुद को तैयार करना है। आप कुछ चाह रहे हैं इसके एवज में ऐसा सोचिए कि जो चाहा जा रहा है, वह इस प्रतीक्षा में है कि कब आप उसके लिए पूरी तरह से तैयार हो जाते हैं। अनजाने से डर को हटाने का आसान तरीका है कि सोचना शुरू कीजिए कि जो आप चाहते हैं, वह आपका ही है। थोड़ी खुली हवा में सांस लीजिए और थोड़ा रास्ता खाली भी छोड़िए कि आप तक पहुंचने वाली चीज आप तक पहुंच जाए। जो आ रहा है, उसे आने दीजिए। याद रखिए, जब जब जो जो होना है, तब तब, सो सो होता है।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इव संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेड़ू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

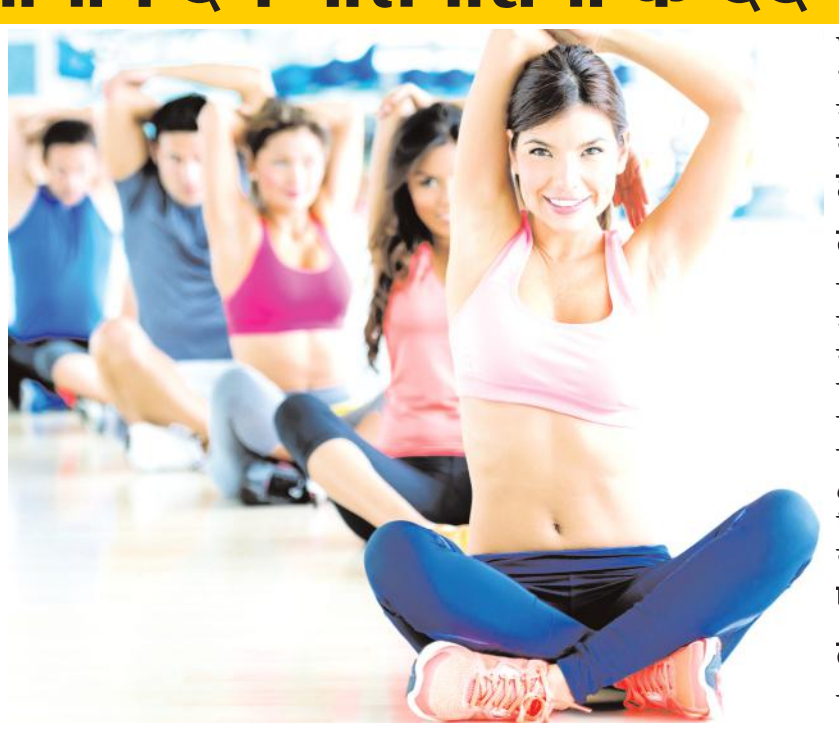

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उतेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

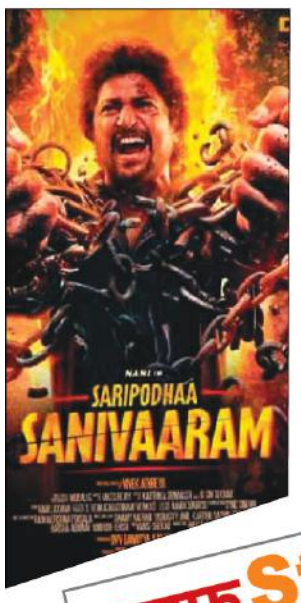

कल रिलीज होगा 'सारिपोधा सानिवारम' का दूसरा गाना

मुंबई। 'गैंग लीडर' फिल्म में साथ काम कर चुके नानी और प्रियंका मोहन एक बार फिर से परदे पर साथ-साथ दिखाई देंगे। दोनों अपनी नई फिल्म 'सारिपोधा सानिवारम' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही आए दिन इससे जुड़ा कोई ने कोई अपडेट सामने आ रहा है। इसी सिलसिले में अब एक और ताजा जानकारी सामने आ रही है, जो फिल्म के गाने से जुड़ी हुई है। 'सारिपोधा सानिवारम' के निर्माताओं ने फिल्म के दूसरे गाने का ऐलान कर दिया है। इस गाने का नाम 'उल्लासम' है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि 'उल्लासम' को 13 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। गाने में नानी और प्रियंका मोहन दिखाई देंगे।

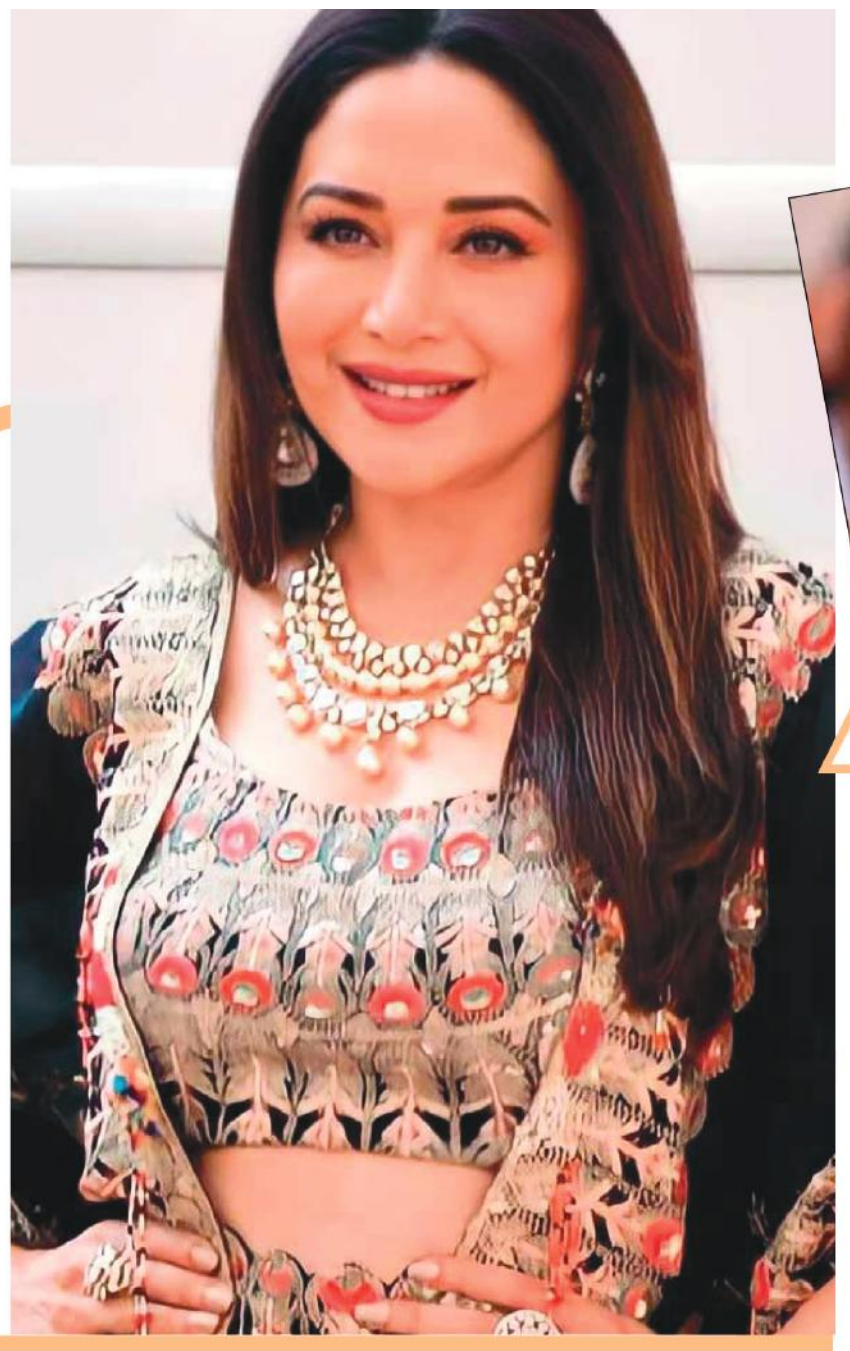

लाइफ Style

माधुरी

सुनील गावस्कर के लिए दीवानी थीं

शर्मिला टैगोर से लेकर अनुष्का शर्मा तक कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस है, जिन्होंने टीम इंडिया के क्रिकेटर्स को जीवनसाथी चुना। लेकिन ऐसा नहीं है कि इनके अलावा किसी एक्ट्रेस को क्रिकेटर पर क्रश या प्यार ना हुआ हो। हम बात कर रहे हैं माधुरी दीक्षित की।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

क्रिकेटर अजय जड़ेजा के साथ रिलेशनशिप की खबरें तो खूब आईं। लेकिन एक्ट्रेस को जिन पर क्रश था और उनके पीछे भागना चाहती थीं। यहां तक कि उनके सपने में भी वह आते थे। वह तो कोई और ही थे। जी हां वह क्रिकेटर थे सुनील गावस्कर। सुनील गावस्कर वह क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टीम इंडिया की कप्तानी भी की है। 10 जुलाई 1949 में जन्मे सुनील क्रिकेट के इतिहास में सबसे बेहतरीन ओपनिंग बल्लेबाजों में से एक हैं। वे कपिल देव की अगुआई वाली टीम का हिस्सा भी थे, जिसने लंदन के लॉर्ड्स में 1983 का विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया था। 15 मई 1967 में जन्मी माधुरी दीक्षित से सुनील गावस्कर 18 साल बड़े हैं। हालांकि क्रश तो क्रश होता है। 90 के दशक में फैंस के दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने 1992 में इंडिया टुडे मैग्जीन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था, मैं सुनील गावस्कर के लिए दीवानी हूं। वह बहुत सेक्सी हैं। मैं उनके पीछे भागना चाहती हूं और वह मेरे सपने में आते हैं। यह जब इंटरव्यू लिया गया तो एक्ट्रेस 25 साल की थीं और क्रिकेटर 43 साल के थे। इस किससे के अलावा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें सुनील गावस्कर को स्टूडियों में माधुरी दीक्षित को बॉल डालते हुए देखा जा सकता है।

हॉलीवुड मसाला

जस्टिन से फैंस हुए खफा

मुंबई। मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में जस्टिन बीबर की परफॉर्मेंस ने आक्रोश फैला दिया है। उनके कॉन्सर्ट के लिए नहीं, बल्कि भारी कीमत के लिए। यह बात सामने आने के बाद कि उन्होंने एक भारतीय अरबपति के बेटे की शादी से पहले के जश्न में एक शो के लिए भारी भरकम रकम कमाई है, फैंस गुस्से में हैं। पहले से ही अपनी भव्यता के लिए आलोचना झेल रहे जस्टिन बीबर के फैंस ने परफॉर्मेंस को 'बेस्वाद' करार दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह बताया गया है कि जस्टिन बीबर ने 10 मिलियन डॉलर यानी लगभग 85 करोड़ की भारी कमाई की है।

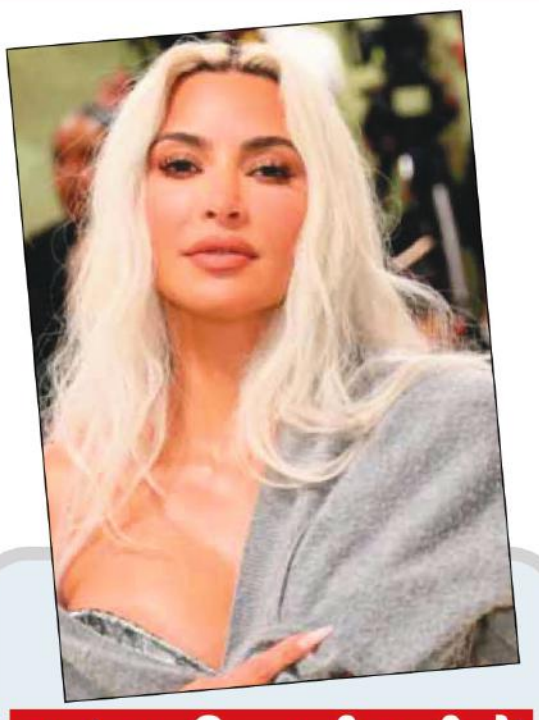

अनंत-राधिका की शादी में आएंगी किम कार्दशियन...

मुंबई। राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी इस वीकेंड शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। शादी में दुनियाभर से कई मेहमान आ रहे हैं और सबको लेकर चर्चा बनी हुई है। अब उन विदेशी मेहमानों की एक लिस्ट सामने आई है, जो शादी में शामिल होंगे, जो मुंबई के बांद्रा कुर्ला सेंटर (बीकेसी) में जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित किया जाएगा। शादी में हॉलीवुड सिंगर किम कार्दशियन और ख्लोए कार्दशियन मेहमान होंगी। पीटर डायमेंडिस, जेफ कून्स और जे शेट्टी भी शादी में शामिल होंगे। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और टोनी ब्लेयर, पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री जॉन केरी, पूर्व स्वीडिश प्रधानमंत्री कार्ल बिल्ड्ट और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर भी शादी में आएंगे। अनंत की मां नीता अंबानी को शादी से पहले के इवेंट्स को कवर करने के लिए पपाराजी को धन्यवाद देते देखा जा सकता है।

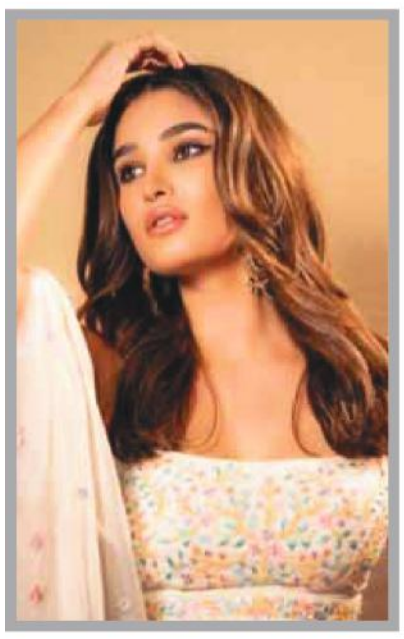

पेरिस में एंजॉय करती दिखीं थडानी...

मुंबई। राशा थडानी पेरिस में खुले आसमान के नीचे धूप और बादलों का नजारा एंजॉय करती हुई दिखाई दे रही हैं। रवीना टंडन की लाडली बेटी राशा थडानी इन दिनों पेरिस में वेकेशन का फुल मजा लेते हुए अपनी फोटोज फैंस के साथ शेयर करती हुई नजर आ रही हैं। फोटोज में राशा थडानी एक टेरेस पर खड़े होकर जमकर पोज देती नजर आ रही हैं। बात अगर राशा थडानी के लुक की करें तो वो ब्लैक टॉप और डेनिम जींस में बेहद ग्लैमरस लग रहीं हैं। मिनिमल मेकअप और खुले बिखरे बालों में राशा थडानी इस दौरान काफी क्यूट लग रहीं हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए राशा थडानी ने इन्हें कैप्शन दिया - हवा में जादू। इन तस्वीरों पर उनके फैंस - सो प्रिटी, ब्यूटीफुल, गॉर्जियस, क्लासी शॉट्स और ब्यूटी इन ब्लैक जैसे कमेंट्स करते नजर आ रहे हैं।

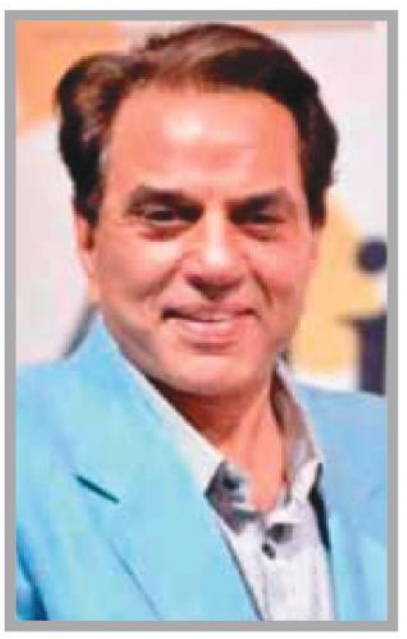

टुनटुन को 58 साल बाद भी नहीं भुला पाए

नई दिल्ली। सुपरस्टार धर्मेंद्र, जिन्होंने 1960 में दिल भी तेरा हम भी तेरे से एक्टिंग डेब्यू किया था। वह 60s से फैंस के दिलों की धड़कन हैं। उन्होंने शोले, धर्मवीर, लोहा, हुकुमत, मेरा गांव मेरा देश और आंखें जैसी फिल्मों में काम किया।वहीं हेमा मालिनी से लेकर रेखा तक उनकी हीरोइनें रहीं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि 88 वर्षीय धर्मेंद्र की फेवरेट एक्ट्रेस कौन हैं, जिन्हें 58 साल बाद भी धरम पाजी नहीं भुला पाए और उन्हें फेवरेट कहते हैं। यह एक्ट्रेस और कोई नहीं, बल्कि एक्ट्रेस उमा देवी हैं, जो कि टुन टुन के नाम से मशहूर हैं। दरअसल, द कपिल शर्मा कॉमेडी शो के मंच पर सुपरस्टार धर्मेंद्र से जब पूछा गया कि उनकी फेवरेट एक्ट्रेस कौन हैं। तब सनी देओल, बॉबी देओल भी उनकी तरफ बड़े अचरज से देखने लगे कि वो किस एक्ट्रेस का नाम लेते हैं।

टीवी मसाला

घर से बेघर होते ही मुनीशा खटवानी ने खोले कई राज

नई दिल्ली। विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 3' धमाकेदार तरीके से आगे बढ़ रहा है। अनिल कपूर के जरिए होस्ट किए जाने वाले इस शो में आए दिन किसी न किसी प्रतियोगी के बीच जुबानी जंग देखने को मिल रही है। साथ ही महज दो सप्ताह के भीतर ही इसमें हिंसा की वारदात भी देखी जा चुकी है। एक के बाद एक प्रतियोगी शो से बाहर हो रहे हैं। इसमें ताजा नाम टैरो कार्ड रिडर और अभिनेत्री मुनीशा खटवानी का है। घरवालों ने सना सुल्तान और मुनीषा में से सना को सुरक्षित किया, जिसकी वजह से मुनीशा घर से बेघर हो गईं। वहीं, बाहर आते ही मुनीशा ने कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। साथ ही कुछ प्रतियोगियों को बेनकाब करती भी नजर आई हैं। मुनीशा खटवानी से सवाल पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि वह बाहरवाले की वजह से एविक्ट हुई हैं? तो इस पर टैरो कार्ड रीडर ने कहा कि नहीं मैं घरवालों के वोटों की कमी के कारण बेघर हुई हूं। मुझे बाहर आते ही इस बात का पता चल गया कि बाहरवाला मेरा भाई लवकेश है और अगर उसके हाथ में होता तो वह मुझे जरूर बचाता।

मुश्किलों में 'डांस इंडिया डांस' सीजन एक के फाइनलिस्ट...

मुंबई। रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस' सीजन एक के फाइनलिस्ट जय कुमार नायर मुश्किलों में फंसते नजर आए हैं। मुंबई पुलिस ने नायर के खिलाफ क्रिप्टोकरेंसी पर उच्च रिटर्न के बहाने एक महिला से 20 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है। ओशिवारा पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में शिकायत दीप्ति असीजा ने दर्ज कराई थी, जो नकली आभूषणों का कारोबार करती हैं। असीजा अपने एक कॉमन फ्रेंड के जरिए नायर के संपर्क में आई। नवंबर 2022 में असीजा ने उन्हें छह लाख रुपए और फिर दो बार में कुल 14 लाख रुपए दिए। उन्होंने कहा, 'नायर ने उन्हें उनके निवेश पर अच्छा रिटर्न देने का आश्वासन दिया था।' हालांकि, उन्होंने असीजा को केवल शुरुआती 11 महीनों के लिए मासिक रिटर्न का भुगतान किया। वहीं, दिसंबर 2023 से उन्होंने पैसा देना बंद कर दिया।

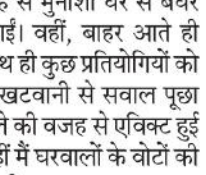

तौबा-तौबा गाने पर सितारों की उतारी लाजवाब नकल

नई दिल्ली। जॉनी लीवर को अपनी कॉमेडी के साथ ही सितारों की नकल उतारने के लिए भी पहचाना जाता है। लेकिन उनकी बेटी जैमी लीवर भी पापा से किसी मामले में पीछे नहीं हैं। वे अकसर सितारों की एक्टिंग करती हैं और उनके ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखे भी जाते हैं। विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज रिलीज होने के लिए तैयार है। विक्की कौशल इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। वो प्रमोशन के दौरान तौबा- तौबा गाने का हुक स्टेप करते नजर आ रहे हैं। ये गाना इतना वायरल हो गया है कि इंफ्लुएंसर से लेकर सेलेब्स तक हर कोई इस गाने पर रील बना रहा है। लेकिन जैमी लीवर ने जिस तरह तौबा-तौबा पर सितारों की नकल उतारी है, वो तो लाजवाब है। जैमी लिवर ने एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने बताया है कि करीना कपूर से लेकर फराह खान तक सेलेब्स तौबा तौबा गाने को लेकर कैसे रिएक्ट करेंगे। जैमी लीवर ने करीना कपूर, फराह खान, राखी सावंत, श्रीदेवी, अनन्या पांडे और सोनम कपूर की मिमिक्री की. जैमी का ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है। फैंस इस पर कमेंट करते नहीं रुक रहे हैं। जैमी लीवर के इस वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, राखी बेस्ट थी. वहीं दूसरे ने लिखा, तुमने धमाल मचा दिया जैमी। एक ने लिखा, मेरी हंसी कंट्रोल नहीं हो रही है।

भारत पहुंचे प्रियंका-निक बारिश में हुआ स्वागत...

मुंबई। शुक्रवार 12 जुलाई को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस बिग फैट वेडिंग में देश-विदेश की कई नामी हस्तियां शामिल होंगी। प्रियंका चोपड़ा भी शादी में शामिल होने मुंबई पहुंच चुकी हैं। प्रियंका अपने पति नोकस जोनस के साथ शादी में शामिल होने आई हैं। उनके भारत पहुंचते ही झमाझम बारिश हुई। कार से उतरते ही प्रियंका ने हाथ जोड़कर सभी का अभिनंदन किया। अनंत-राधिका की शादी का जश्न तीन दिनों तक चलेगा। इसकी शुरुआत 12 जुलाई को 'शुभ विवाह' से होगी। शुक्रवार को शादी संपन्न होने के बाद 13 जुलाई को 'शुभ आशीर्वाद' समारोह आयोजित किया गया है। इसके बाद 14 जुलाई को 'मंगल उत्सव' है। इस समारोह में हिस्सा लेने के लिए प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस भी हाल ही में मुंबई पहुंचे हैं। प्रियंका चोपड़ा और निक एयरपोर्ट से ब्लैक कलर की आलीशान गाड़ी में बैठकर आते नजर आए। इस दौरान दोनों ने पैपराजी और फैंस का अभिनंदन किया। प्रियंका और निक काफी स्टाइलिश लुक में दिखे। हालांकि, बेबी मालती इस दौरान साथ नजर नहीं आईं। बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है। बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ देसी गर्ल ने हॉलीवुड में भी अपना सिक्का जमा लिया है।

इन स्टार्स को हो गया था अपनी मौत का आभास

गोविंदा की मां से संजीव कुमार तक मौत को लेकर की थीं चौंकाने वाली भविष्यवाणी

***मुंबई।** 'थ्रोबैक थर्सडे' में उन फिल्मी हस्तियों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने अपनी मौत को लेकर होश उड़ाने वाली भविष्यवाणी की थी। कुछ को तो पहले ही अपनी मौत का आभास हो गया। इन स्टार्स के साथ जो हुआ, वो वाकई हैरान कर देगा। मौत एक ऐसी चीज है, जो एक दिन हर किसी को आनी है। जो इस दुनिया में आया है, उसे एक दिन जाना ही होगा। मौत से डर तो सबको लगता है, लेकिन इससे भी ज्यादा डर तब लगता है जब किसी को अपनी मौत का पता हो। जब किसी को आभास हो जाए कि उसकी जिंदगी कितने दिन की मेहमान है। बॉलीवुड में ऐसे कई सितारे रहे, जो अचानक ही इस दुनिया से चल बसे और फैंस को जिंदगी भर का सदमा दे गए। पर कुछ ऐसी हस्तियां भी रहीं, जिन्होंने या तो अपनी मौत की भविष्यवाणी कर दी थी या फिर उन्हें आभास हो गया था कि वो अब इस दुनिया में ज्यादा दिन नहीं रहेंगे। यहां हम आपको 'थ्रोबैक थर्सडे' सीरीज में ऐसे ही स्टार्स के बारे में बता रहे हैं।*

गोविंदा की मां निर्मला देवी ने अपनी मौत समेत की थीं 3 भविष्यवाणी

गोविंदा ने 'बॉम्बे टाइम्स' को इंटरव्यू में बताया था कि उनकी मां निर्मला देवी प्रेग्नेंसी के दौरान आध्यात्म की ओर मुड़ गई थीं। यही नहीं, वह एकदम सटीक भविष्यवाणी करती थीं। गोविंदा ने बताया था कि जब वह 17 साल के थे तो मां ने तीन भविष्यवाणियां की थीं। एक गोविंदा के स्टारडम की और दो अपनी मौत के साथ-साथ बड़ी बेटी पद्मा की मौत की। मां ने गोविंदा से कहा था कि जब तुम 21 साल के हो जाओगे तो तुम कमाल करोगे। वहीं बड़ी बेटी पद्मा यानी कृष्णा अभिषेक की मां के लिए कहा था कि वह दूसरे बच्चे के जन्म के बाद मर जाएंगी। यही नहीं, गोविंदा की मां ने खुद की मौत की भविष्यवाणी भी गोविंदा से की थी, और वह सकपका गए थे। गोविंदा की मां की मौत उस भविष्यवाणी से ठीक तीन महीने बाद 15 जून 1996 को हो गई। यही तारीख उनकी मां ने बताई थी।

ऋषि कपूर ने कहा था 'मैं ज्यादा लंबा नहीं जिऊंगा'

ऋषि कपूर का 30 अप्रैल साल 2021 में निधन हो गया था। मौत से दो साल पहले वह कैंसर की गिरफ्त में आ गए थे। हालांकि न्यू यॉर्क में इलाज के बाद ऋषि कपूर ठीक हो गए थे, लेकिन बाद में सांस लेने में तकलीफ के कारण उनका निधन हो गया। ऋषि कपूर के निधन से पूरे देश में सन्नाटा पसर गया था, पर एक्टर ने अपनी मौत की साल 2016 में ही भविष्यवाणी कर दी थी। ऋषि कपूर से जब एक इंटरव्यू में पूछा गया कि 90 साल की उम्र में वह खुद को किस तरह से देखते हैं, तो एक्टर ने कहा था, 'मेरा जिस तरह का लाइफस्टाइल है, उससे लगता है कि मैं ज्यादा लंबा नहीं जिऊंगा। लेकिन लोग बोलते हैं कि अगर जिंदा रहा तो मैं 'कपूर एंड सन्स' में दादू के कैरेक्टर जैसा दिखूंगा। लेकिन मुझे यकीन नहीं है।'

ओम पुरी को भी हो गया था मौत का आभास

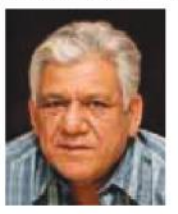

वेटरन एक्टर ओम पुरी ने 23 दिसंबर 2016 को एक इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने अपनी मौत पर बात की थी, और उसके चंद दिन बाद ही 6 जनवरी 2017 में मौत हो गई। इस दुखद इत्तेफाक ने सबको चौंका दिया था। ओम पुरी ने 'आईएएनएस' को दिए इंटरव्यू में कहा था, 'एक एक्टर के रूप में मेरा योगदान मेरे इस दुनिया से चले जाने के बाद दिखाई देगा।

किशोर कुमार- मजाक में ही सच हो गई मौत की वो भविष्यवाणी

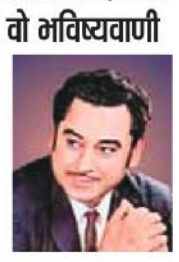

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर और सिंगर रहे किशोर कुमार की 13 अक्टूबर 1987 को मौत हो गई थी। बेटे अमित कुमार ने साल 2002 में 'रेडिफ' को इंटरव्यू में बताया था कि पापा को उनकी मौत का आभास हो गया था। जिस दिन उनका निधन हुआ, उस दिन उन्होंने हार्ट अटैक को लेकर मजाक किया और उसी तरह दुनिया से रुखसत हो गए। अमित कुमार ने बताया था, 'उस दिन, उन्होंने सुमित (सौतेला बेटा) को स्विमिंग के लिए जाने से मना कर दिया। वह इस बात से टेंशन में थे कि कनाडा से मेरी फ्लाइट समय पर लैंड करेगी या नहीं।

ज्योतिषी ने की थी संजीव कुमार की मौत की भविष्यवाणी

संजीव कुमार ने भी अपनी मौत की भविष्यवाणी कर दी थी। 9 जुलाई 1938 को जन्मे संजीव कुमार की 6 नवंबर 1985 को मौत हो गई थी। संजीव कुमार एक ऐसे एक्टर थे, जिन्होंने युवा होते हुए भी उम्रदराज किरदार निभाए। उन्हें ऐसे किरदार निभाने में मजा आता था। एक्ट्रेस तबस्सुम ने अपने शो 'तबस्सुम टॉकीज' में बताया था कि कैसे संजीव कुमार ने अपनी मौत को लेकर एक चौंकानेवाली बात बताई थी, जिसका उम्रदराज किरदारों से कनेक्शन था। तबस्सुम ने संजीव कुमार से पूछा था कि वह उम्रदराज किरदारों को लेकर इतना ऑब्सेस्ड क्यों हैं। तब संजीव ने कहा था, 'तबस्सुन, हाथ देखने वाले एक ज्योतिषी ने भविष्यवाणी की थी कि मैं ज्यादा लंबे समय तक जीवित नहीं रहूंगा। इसलिए मैं उम्रदराज किरदार निभाता हूं, ताकि वो जिंदगी जी सकूं।

खबर संक्षेप

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को 2,995 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल को उसके संयुक्त उद्यमों तथा अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर 2,995 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। एक बयान में कंपनी ने कहा कि नए ठेके पारेषण व वितरण (टीएंडडी), भवन व कारखाने (बीएंडएफ) और जल व्यवसाय श्रेणियों में मिले हैं।

वेदांता डिबेंचर से 1,000 करोड़ रुपए जुटाएगी

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड की योजना डिबेंचर जारी कर 1,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की है। वेदांता लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी के निदेशकों ने निजी नियोजन के आधार पर 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के 1,00,000 गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के आवंटन को मंजूरी दे दी है।

सेबी एचबीएन डेयरीज की संपत्तियां करेगा नीलाम

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) एचबीएन डेयरीज एंड अलाइड लिमिटेड की आठ संपत्तियों की नीलामी अगले महीने 67.70 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर करेगा। यह कदम एचबीएन डेयरीज द्वारा अवैध सामूहिक निवेश योजनाओं के जरिये जुटाई गई धनराशि को वसूलने के सेबी के प्रयास का एक हिस्सा है।

मुंबई में महंगे घरों की बिक्री आठ फीसदी बढ़ी

मुंबई। मुंबई में 10 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की मांग चालू साल की पहली छमाही (जनवरी-जून) में आठ प्रतिशत बढ़कर करीब 12,300 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक दाम वाले लक्जरी घरों की मांग जनवरी-जून, 2024 में मजबूत बनी रही।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने शेल से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। साझेदारी के तहत, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के ग्राहक वाहन चार्जिंग के लिए देश भर में शेल के व्यापक ईंधन स्टेशन का इस्तेमाल कर सकेंगे।

लुई ड्रेफस ने बाजार में खाद्य तेल ब्रांड 'विभोर' उतारा

नई दिल्ली। वैश्विक कृषि कारोबार से जुड़ी लुइस ड्रेफस कंपनी ने उत्तर भारत के बिजनेस-टू-कंज्यूमर खंड में अपने खाद्य तेल ब्रांड 'विभोर' को फिर पेश करने की घोषणा की। इसके साथ कंपनी का लक्ष्य भारत के बढ़ते खाद्य तेल बाजार का लाभ उठाना है। भारत में लुइस ड्रेफस कंपनी (एलडीसी) के सीईओ सुमीत मित्तल ने कहा कि नए उत्पादों में सोयाबीन, पामोलिन, बिनौला और सरसों के तेल के साथ-साथ प्रीमियम वनस्पति शामिल है, जो सभी विटामिन ए और डी से भरपूर समृद्ध किये गये हैं।

दुनियाभर में बढ़ेंगे करोड़पति, यूनाइटेड किंगडम व नीदरलैंड्स में बहेगी उल्टी गंगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूरी दुनिया में करोड़पतियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। विकसित देशों के साथ ही विकासशील देशों में भी अमीरों की संख्या में इजाफा हुआ है। भारत भी इस मामले में तेजी से आगे भाग रहा है।

■ विकसित देशों के साथ विकासशील देशों में बढ़ रहे अमीर

अब यूबीएस की नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2028 तक 52 देशों में करोड़पतियों की संख्या बढ़ती रहेगी। हालांकि, यूनाइटेड किंगडम लैंड्स में यह ट्रेंड बिलकुल उलटा दिखाई दे रहा है। यहां करोड़पतियों की संख्या घटती दिखाई दे रही है।

फाइनेंशियल फर्म यूबीएस ने जारी की सर्वे रिपोर्ट

सबसे ज्यादा करोड़पति अमेरिका में, चीन दूसरे नंबर पर

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा करोड़पति इस समय अमेरिका में हैं। वहां लगभग 2.2 करोड़ लोग करोड़पति हैं। अगले 5 साल में यह आंकड़ा लगभग 16 फीसदी की दर से आगे बढ़ सकता है। दूसरे नंबर पर चीन मौजूद है। हालांकि, वहां करोड़पतियों की संख्या अमेरिका से काफी कम है। चीन में इस समय लगभग 60 लाख लोग करोड़पति हैं। चीन में अमीरों की संख्या साल 2028 तक 8 फीसदी की दर से आगे बढ़ सकती है।

यूके और नीदरलैंड्स में कम हो जाएंगे करोड़पति

यूबीएस ने कहा है कि यूनाइटेड किंगडम और नीदरलैंड्स में करोड़पतियों की संख्या कम होने जा रही है। फर्म का अनुमान है कि नीदरलैंड्स में अमीरों की संख्या 12 लाख से घटकर लगभग 11 लाख रह जाएगी. उधर, सबसे ज्यादा अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर मौजूद यूनाइटेड किंगडम में करोड़पतियों की संख्या में 17 फीसदी की बड़ी गिरावट आ सकती है। वहां फिलहाल 30 लाख से भी ज्यादा करोड़पति हैं, जो कि 2028 तक घटकर लगभग 25 लाख रह जाएंगे। यूके इस लिस्ट में जापान, फ्रांस और जर्मनी से भी पीछे जा सकता है।

52 देशों में बढ़ेगी दौलतमंदों की संख्या : *फाइनेंशियल फर्म यूबीएस के मुताबिक, सर्वे में शामिल रहे 56 देशों में से 52 में दौलतमंदों की संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है। इस लिस्ट में सबसे आगे ताइवान रहा है। करोड़पतियों की संख्या 5 साल में लगभग 47 फीसदी बढ़ सकती है। इसके अलावा तुर्की में लगभग 43 फीसदी और कजाकिस्तान में अमीरों की संख्या 37 फीसदी बढ़ सकती है। यूबीएस ने इस लिस्ट में उन लोगों को शामिल किया है, जिनकी दौलत कम से कम 10 लाख डॉलर हो जाएगी।*

युद्ध के बावजूद रूस में बढ़ रहे करोड़पति

यूबीएस के चीफ इकोनॉमिस्ट पॉल डोनोवन ने बताया कि यूक्रेन के साथ युद्ध के बावजूद रूस में करोड़पतियों की संख्या लगभग 21 फीसदी बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड किंगडम में फिलहाल उनकी इकोनॉमी की स्थिति की तुलना में कहीं ज्यादा करोड़पति हैं।

नई कर व्यवस्था में भी लाभ देने का दिया सुझाव

बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य बीमा के लिए बजट में और कर छूट मिलने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विशेषज्ञों ने बजट से पहले स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर छूट सीमा बढ़ाने तथा नई कर व्यवस्था में भी इसका लाभ देने का सुझाव दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को 2024-25 का बजट पेश करेंगी। यह नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला प्रमुख नीतिगत दस्तावेज होगा।

बीमा कंपनी फ्यूचर जनरली इंडिया इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनूप राऊ ने कहा कि देशभर में स्वास्थ्य देखभाल की लागत में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद आयकर अधिनियम की धारा 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कटौती की सीमा पिछले नौ साल से अपरिवर्तित बनी हुई है।

स्वास्थ्य बीमा का लाभ बढ़ाने की जरूरत

राऊ ने कहा, 'यह सबसे अच्छा होगा यदि चिकित्सा बीमा की सीमा मुद्रास्फीति से जुड़ी हो और प्रत्येक एक-दो साल में खुद-ब-खुद इसमें संशोधन हो। साथ ही, नई कर व्यवस्था में भी स्वास्थ्य बीमा का लाभ बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि इसकी पहुंच बढ़ाना महत्वपूर्ण है। इसीलिए, हमें उम्मीद है कि आगामी बजट में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर छूट सीमा में कुछ बढ़ोतरी की घोषणा की जाएगी।'

भारत में शुल्क सबसे ज्यादा

मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एम-ताई) के अध्यक्ष पवन चौधरी ने कहा कि भारत में चिकित्सा उपकरणों पर लगाए गए सीमा शुल्क और कर दुनिया में सबसे ज्यादा हैं और यह सीधे मरीजों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा, दूसरी ओर, सिंगापुर, हांगकांग, इटली और नॉर्वे जैसे देश इस तरह का कोई शुल्क नहीं लगाते हैं।

आस्ट्रेलिया व जापान में न्यूनतम शुल्क

ऑस्ट्रेलिया और जापान केवल न्यूनतम 0.5 प्रतिशत शुल्क लगाते हैं, जबकि अमेरिका में यह दो प्रतिशत और चीन में तीन प्रतिशत है। उन्होंने कहा, 'ऐसे में भारत में चिकित्सा उपकरणों के अवैध आयात का जोखिम है। इस तरह के व्यापार से देश के राजस्व में कमी आएगी।'

70 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए हो विस्तारित

नेगी ने कहा, आयुष्मान भारत को 70 वर्ष से अधिक आयु वालों तक विस्तारित करना वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्यधिक फायदेमंद होगा। साथ ही इस बात पर भी गौर करने की जरूरत है कि पांच लाख रुपये की वर्तमान सीमा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए पर्याप्त नहीं है। इस बीमारी के उपचार की लागत 15-20 लाख रुपये तक हो सकती है।

- आयकर अधिनियम की धारा 80 डी के तहत कटौती
- बीमा प्रीमियम पर कटौती की सीमा पिछले नौ साल से अपरिवर्तित
- चिकित्सा बीमा की सीमा मुद्रास्फीति से जुड़ी हो

कर्मचारियों को कम दरों पर हो पेशकश

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी तपन सिंघल ने कहा कि कर्मचारियों को कम दरों पर स्वास्थ्य बीमा की पेशकश, स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कमी और 80डी के तहत छूट सीमा में वृद्धि जैसे कर लाभ जैसे सुधार स्वास्थ्य बीमा को अधिक किफायती और सुलभ बनाएंगे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रीमियम कटौती सीमा हटे

सिंघल ने कहा, 'इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के लिए कटौती की सीमा हटाने से उनका वित्तीय बोझ काफी कम हो जाएगा।' राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डीएस नेगी ने कहा कि देश में कैंसर देखभाल में सुधार पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है...यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सभी मरीजों इन अत्याधुनिक उपचारों तक पहुंच हो।

नीतिगत दर में अभी बदलाव का कोई मतलब नहीं : दास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

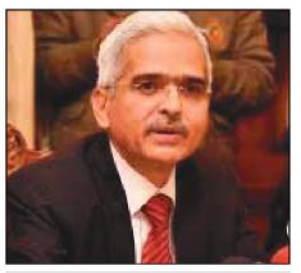

- महंगाई के चलते इस पर अभी कोई विचार नहीं
- चार प्रतिशत का लक्ष्य अंतिम पड़ाव है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुद्रास्फीति की मौजूदा दर और उसे चार प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य के बीच अंतर को देखते हुए नीतिगत दर पर रुख में बदलाव के सवाल का अभी कोई मतलब नहीं है।

दास ने समाचार चैनल सीएनबीसी-टीवी18 से विशेष बातचीत में कहा, 'मुद्रास्फीति की मौजूदा दर और इसे चार प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य के बीच अंतर को देखते हुए नीतिगत दर के मामले में रुख में बदलाव के सवाल का फिलहाल कोई मतलब नहीं है।...जब हम टिकाऊ आधार पर खुदरा महंगाई चार प्रतिशत पर लाने की दिशा में बढ़ेंगे तभी हमें रुख में बदलाव के बारे में सोचने का भरोसा मिलेगा। गवर्नर ने कहा कि मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप लाने का काम उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ रहा है, लेकिन चार प्रतिशत का लक्ष्य अंतिम पड़ाव है, जो आसान नहीं है। आरबीआई ने जून में पेश द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में खुदरा मुद्रास्फीति 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

आर्थिक वृद्धि की गति अभी मजबूत

दास ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के संबंध में कहा कि वृद्धि को गति देने वाले कई तत्व अपनी भूमिका निभा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में आर्थिक वृद्धि की गति बहुत मजबूत थी और यह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी मजबूत बनी हुई है।

भारत का वनस्पति तेल आयात 18 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- जून में बढ़कर 15 .5 लाख टन के पार
- कच्चे पाम व सूरजमुखी तेल का अधिक आयात

कच्चे पाम तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल के अधिक आयात के कारण खाद्य और अखाद्य तेलों सहित वनस्पति तेलों का आयात जून में 18 प्रतिशत बढ़कर 15.5 लाख टन पर पहुंच गया।

व्यापार जगत के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों से पता चलता है कि जून, 2024 के दौरान वनस्पति तेलों का आयात एक साल पहले की समान अवधि के 13,14,476 टन की तुलना में 15,50,659 टन रहा। खाद्य तेलों का आयात जून में बढ़कर 15,27,481 टन हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 13,11,576 टन था। आयात 2,300 टन से बढ़कर 23,178 टन हो गया। अक्टूबर में समाप्त होने वाले तेल वर्ष 2023-24 के पहले आठ महीनों के दौरान वनस्पति तेलों का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 1,04,83,120 टन की तुलना में दो प्रतिशत घटकर 1,02,29,106 टन रह गया। एसईए के आंकड़ों से पता चला है कि तेल वर्ष 2023-24 की नवंबर 2023-जून 2024 अवधि के दौरान रिफाइंड तेल का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 14,03,581 टन से दो प्रतिशत घटकर 13,81,818 टन रह गया।

पाम का आयात मलेशिया व इंडोनेशिया से

रिफाइंड तेलों (आरबीडी पामोलिन) और कच्चे तेलों की हिस्सेदारी समान रही। नवंबर, 2023 और जून, 2024 की अवधि के दौरान पाम तेल का आयात एक साल पहले की समान अवधि के 60,31,529 टन से घटकर 57,63,367 टन रह गया। भारत... मलेशिया और इंडोनेशिया से पाम ऑयल और ब्राजील और अर्जेंटीना से सोयाबीन ऑयल का आयात करता है।

टाटा मोटर्स, महिंद्रा ने घटाए एसयूवी के दाम

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) की कीमतों में कटौती की है। एसयूवी की बिक्री बढ़ाने के प्रयास के तहत इन कंपनियों ने यह कदम उठाया है। टाटा मोटर्स ने अपनी प्रमुख एसयूवी हैरियर (14.99 लाख रुपये) और सफारी (15.49 लाख रुपये) की शुरुआती कीमतों में बदलाव किया है। अन्य लोकप्रिय एसयूवी मॉडल पर 1.4 लाख रुपये तक की कटौती की गई है।

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने बयान में कहा, 'इलेक्ट्रिक वाहनों के संबंध में नेक्सन ईवी पर की गई कटौती (1.3 लाख रुपये तक) ने इसे सबसे सुलभ बना दिया है।' उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त पंच.ईवी के दाम में भी 30 हजार रुपये तक की कटौती की गई है।

कंपनी परिणाम से पहले बाजार में मुनाफावसूली

■ सेंसेक्स, निफ्टी में मामूली गिरावट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव के बीच बीएसई सेंसेक्स 27 अंक के मामूली नुकसान में रहा। निवेशकों ने कंपनियों के जून तिमाही के नतीजों से पहले प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली की। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 27.43 अंक की गिरावट के साथ 79,897.34 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 8.50 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 24,315.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 24,402.65 अंक तक गया और नीचे में 24,193.75 अंक तक आया।

इन शेयरों में रही घट-बढ़ : *सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, नेस्ले, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। लाभ में रहने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स और टाइटन शामिल हैं।*

पांच लाख पर्यटक लाइट हाउस घूमने आए

नई दिल्ली। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को बताया कि इस साल अप्रैल-जून में देश में पांच लाख से अधिक पर्यटक प्रकाशस्तंभ (लाइटहाउस) घूमने आए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सोनोवाल ने केरल के विझिंजम में लाइटहाउस पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हितधारकों की एक बैठक की अध्यक्षता की। बयान में कहा गया है कि यह बैठक लाइटहाउस की अद्वितीय पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने तथा उनके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व दर्शनीय मूल्य पर जोर देने के लिए आयोजित की गई थी।

ब्रुकफील्ड ने लीप ग्रीन एनर्जी में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- 20 करोड़ डॉलर से अधिक का अग्रिम निवेश
- कंपनी भविष्य में 35 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त निवेश करेगी

कनाडा की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ब्रुकफील्ड ने तमिलनाडु स्थित नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी लीप ग्रीन एनर्जी में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसके लिए वह 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का अग्रिम निवेश और भविष्य में 35 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त निवेश करेगी। विदेशी कंपनी ने बयान में कहा, 'ब्रुकफील्ड और लीप ग्रीन ने हाल ही में एक पक्के रणनीतिक निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिसके बाद ब्रुकफील्ड ने कंपनी में बहुलांश नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल कर ली है।' हालांकि, कंपनी ने यह खुलासा नहीं किया कि उसने लीप ग्रीन एनर्जी में कितनी इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। ब्रुकफील्ड ने नए शेयरों की खरीद और मौजूदा शेयरधारकों के पास रखे शेयरों के अधिग्रहण के जरिये लीप ग्रीन में 20 करोड़ डॉलर से अधिक का इक्विटी निवेश करने की अग्रिम प्रतिबद्धता जताई है।

ब्रुकफील्ड ऊर्जा में दुनिया के सबसे बड़े निवेशक

ब्रुकफील्ड नवीकरणीय ऊर्जा में दुनिया के सबसे बड़े निवेशकों में से एक है। इसकी मौजूदा उत्पादन क्षमता लगभग 33 गीगावाट है और 155 गीगावाट से अधिक क्षमता का विकास जारी है।

107 रुपए में 35 दिनों की वैलिडिटी

बीएसएनएल दे रहा सबसे सस्ता प्रीपेड प्लान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अगर आप एक ऐसा प्लान सर्च कर रहे हैं जो कम पैसे खर्च कर ज्यादा दिन की वैलिडिटी दे तो ऐसा प्लान आपको जियो, एयरटेल या वीआई नहीं सिर्फ बीएसएनएल में मिल सकता है। क्योंकि सभी प्राइवेट कंपनियां आपके प्लान्स को महंगा कर चुकी हैं।

ऐसे में अगर आप दो सिम यूज करते हैं और दूसरे सिम को एक्टिव रखने के लिए एक अच्छा प्लान सर्च कर रहे हैं। तो यहां हम आपको बीएसएनएल के एक ऐसे ही प्लान से रूबरू करा रहे हैं। एसएनएल के पास 107 रुपए का प्रीपेड प्लान है जो लंबी वैलिडिटी के साथ आता है।

बीएसएनएल का 107 रुपए का प्लान

सबसे पहले, बीएसएनएल का 107 रुपए का प्लान 35 दिनों की सर्विस वैलिडिटी के साथ आता है। जो अब ग्राहकों के लिए बड़ी बात है क्योंकि अब इतनी कम कीमत में कोई भी प्राइवेट टेलिकॉम कंपनी ये फायदा नहीं दे रही है। बीएसएनएल इस प्लान में डेटा बेनिफिट भी दे रहा है। इस प्लान में कंपनी 200 मिनट की वॉयस कॉलिंग के साथ 3जीबी डेटा ऑफर कर रही है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस बीएसएनएल प्लान के साथ कोई एसएमएस लाभ नहीं मिलता है।

बीएसएनएल इस प्लान में डेटा बेनिफिट भी दे रहा है

जियो का 209 रुपए वाला प्लान

जियो के 209 रुपए वाले प्लान में 22 दिन की वैलिडिटी दी जाती है। इस प्लान में रोज 1जीबी 5जी डेटा मिलता है। यानी की प्लान आपको टोटल 22जीबी डेटा मिलता है। साथ ही इस प्लान में अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधा भी दी जाती है।

एयरटेल का 199 रुपए का प्लान

एयरटेल यूजर्स को अब 199 रुपए का रिचार्ज अपने सिम कार्ड को एक्टिव रखने के लिए करना होगा। ये प्लान 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ आता है। इसमें यूजर्स को 2जीबी डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग और 100 एसएमएस डेली मिलते हैं।

कुछ शहरों में 4जी कनेक्टिविटी

ऐसे में यदि आपके पास सेकेंडरी सिम है और आप उसे एक्टिव रखना चाहते हैं तो यह एक बढ़िया प्लान है। साथ ही यह भी जान लें कि बीएसएनएल कुछ ही शहरों में 4जी कनेक्टिविटी ऑफर करता है। बीएसएनएल का यह प्लान उन यूजर्स के लिए सबसे अच्छा है जिन्हें इंटरनेट डेटा की अधिक जरूरत नहीं पड़ती और न ही ज्यादा देर तक कॉलिंग करते हैं। एक नॉर्मल यूजर्स के लिए यह एक सबसे किफायती प्लान हो सकता है।

सोना 50 रुपए मजबूत चांदी 100 रुपए चढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आभूषण विक्रेताओं की ताजा लिवाली और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 50 रुपये की तेजी के साथ 75,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।

बुधवार को सोना 75,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 100 रुपये की तेजी के साथ 94,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। इससे पिछले सत्र में चांदी 94,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। संघ ने कहा कि सराफा बाजारों में सोना पिछले बंद भाव के मुकाबले 50 रुपये बढ़कर 75,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है।

बाजार सूत्रों ने कहा कि स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की ताजा मांग और विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख से सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली।

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के अध्यक्ष सुमन बेरी समेत विशेषज्ञ हुई उच्चस्तरीय बैठक में शामिल

गरीब, किसान, नौजवानों के सपनों के बजट पर पीएम मोदी ने लिए अर्थशास्त्रियों के सुझाव

नई दिल्ली

केंद्रीय बजट को आखिरी स्वरूप देने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ नीति आयोग और देश के जानेमाने अर्थशास्त्रियों के साथ तकरीबन चार घंटे की मैराथन बैठक हुई।

बैठक में प्रधानमंत्री के सौ दिनों के एजेंडे पर विमर्श की शुरूआत हुई। लोकसभा चुनाव से पूर्व ही प्रधानमंत्री ने विभिन्न मंत्रालयों के नौकरशाहों से मिलकर नई सरकार के गठन के बाद सौ दिनों में विकास, गरीब कल्याण के क्या क्या काम करने हैं उस पर एक एजेंडा पेपर बना था। सूत्रों ने बताया कि उस पर आने वाले कुल खर्च को बजट का हिस्सा बनाये जाने पर जहां चर्चा हुई वहीं, इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे ज्यादा से ज्यादा निवेश बढ़ाया जाए ताकि अधिकतम रोजगार पैदा हो और देश को विकास की पटरी पर दौडाया जा सके इस पर भी विस्तार से बातचीत हुई। आगामी 23 जुलाई को संसद में पेश होने वाले बजट में बजट की रूपरेखा कुछ हटकर हो इस कोशिश का प्रतिबिंब दिखे, सूत्रों ने बताया कि इस पर प्रधानमंत्री का खासा जोर रहा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी समेत अन्य सदस्यों ने भी अर्थशास्त्रियों के साथ इस उच्चस्तरीय बैठक में शिरकत किया। गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं को ध्यान में रखकर बजट को कैसे बैलेंस रखा जाए, चर्चा इस पर भी हुई।

22 जुलाई से शुरू हो रहा है संसद का बजट सत्र

22 जुलाई से संसद का बजट सत्र शुरू हो रहा है। 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट 2024-25 को लोकसभा में पेश करेंगी। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट होगा। पिछले महीने संसद संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस बजट को लेकर कहा था कि भविष्य को ध्यान में रहते हुए सरकार इस बार दूरगामी नीतियों के साथ बजट पेश करेगी। इसमें प्रमुख आर्थिक और सामाजिक सरोकारों के साथ कई ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले फरवरी में एक अंतरिम बजट पेश किया गया था।

विकसित भारत के रोड मैप पर लिए सुझाव

केंद्र सरकार ने 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। सरकार की इच्छा है कि आम बजट के जरिए विकसित भारत का रोडमैप तैयार करने की है। ऐसे में इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होगी। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के रोडमैप पर भी विशेषज्ञों से सुझाव लिए। केंद्र सरकार का ध्यान गरीब, मध्य और निम्न मध्यवर्ग पर सबसे ज्यादा है। सरकार की तरफ गरीब वर्ग के सशक्तिकरण के लिए नई योजना शुरू करने की भी योजना है।

खबर संक्षेप

पूर्व आईएएस मनीष बने जदयू के राष्ट्रीय महासचिव

पटना। आरसीपी सिंह के जाने के बाद अगले नौकरशाह में रूप में पूर्व आईएएस मनीष वर्मा को जनता

दल यूनाईटेड में एंट्री के 48 घंटे के अंदर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। पिछले महीने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए राज्यसभा सांसद संजय झा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते सीएम नीतीश कुमार के आदेश पर वर्मा को जदयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

8 साल की बच्ची से दुष्कर्म, फिर हत्या

अमरावती। आंध्र प्रदेश से एक रूह कांपने वाली खबर सामने आ रही है। यहां के नांदयाला जिले में

एक 8 साल की स्कूली छात्रा का पहले सामूहिक दुष्कर्म किया फिर उसे मौत के घाट उतार दिया। आरोपियों ने उसके शव को सिंचाई नहर में फेंक दिया। बच्ची से उसके स्कूल के 12 और 13 साल के तीन सीनियर्स ने कथित तौर पर सामूहिक दुराचार किया।

पूर्व सांसद जयाप्रदा आचार संहिता मामले में बरी

रामपुर। रामपुर की एक अदालत ने आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में पूर्व सांसद जयाप्रदा को

बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनको साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। केमरी थाने में 2019 में जयाप्रदा के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। गुरुवार को जयाप्रदा कोर्ट में पेश हुईं। रामपुर की अदालत ने साक्ष्य के अभाव में उन्हें बरी कर दिया।

संजय ने एमपी एमएलए कोर्ट में किया सरेंडर

सुल्तानपुर। आप नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एमपी एमएलए कोर्ट में सरेंडर कर

दिया। सिंह की तरफ से पेश जमानत अर्जी पर सुनवाई की गई। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को मंजूर कर लिया। सिंह पर यह मामला बिना परमिशन जनसभा करने को लेकर था। पंचायत चुनाव में बिना अनुमति जनसभा करने पर केस दर्ज हुआ था।

असम में 30 करोड़ रुपए के ड्रग्स पकड़ाई

करीमगंज। असम के करीमगंज जिले में करीब 30 करोड़ रुपये मूल्य की 'याबा' गोलियां जब्त की

गई हैं और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास के अनुसार पुलिस को मादक पदार्थ की खेप को लेकर एक सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने बुधवार रात को पड़ोसी राज्य मिजोरम से आ रहे एक वाहन की तलाशी ली।

बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश ने चंडीगढ़ में किया ऐलान

हरियाणा में इनेलो-बसपा का गठबंधन भाजपा संग केसीआर के आने की चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ चंडीगढ़

37 विधानसभा सीट बसपा और 53 इनेलो के हिस्से, अभय होंगे सीएम चेहरा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए इनेलो और बसपा ने गठबंधन कर लिया है। चंडीगढ़ में गठजोड़ का ऐलान करते हुए बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश ने कहा कि विधानसभा चुनाव में 37 सीट पर बसपा चुनाव लड़ेगी और 53 सीट पर इनेलो चुनाव लड़ेगी। बसपा-इनेलो गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा अभय चौटाला होंगे। 1996 के लोकसभा चुनाव के दौरान दोनों के बीच पहली बार गठबंधन हुआ था। इनेलो ने 7 लोकसभा सीटों पर और बसपा ने 3लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था।

इसके बाद 2018 में बसपा-इनेलो के बीच राजनीतिक गठजोड़ हुआ, लेकिन यह गठबंधन विधानसभा चुनाव तक लोगों के बीच नहीं पहुंच पाया। अब तीसरी बार इनेलो ने खोया राजनीतिक वजूद बचाने बसपा के गठबंधन की पहल की है। पिछले सप्ताह ही अभय और बसपा सुप्रीमो मायावती संग नई दिल्ली में मुलाकात की थी। कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

पहले भी किया था गठबंधन

साझा घोषणा पत्र की भी दी जानकारी

अभय ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर हमारा एक साझा घोषणा पत्र है। एससी9एसटी की नौकरियां भरी जाएंगी। एससी-एसटी को 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट दिए जाएंगे। एससी-एसटी बच्चों को मुफ्त कोचिंग दी जाएगी। एससी और बीसी को मुफ्त कॉलेज शिक्षा दी जाएगी। चाहे वे सरकारी या प्राइवेट किसी कॉलेज में पढ़े। जनरल कैटेगरी के बच्चों से जो बांड भरवाए जा रहे हैं हम उसे खत्म करेंगे। चौटाला ने कहा कि महिलाओं पर हो रहे अपराधों पर रोक लगाएंगे। हमारी पूर्व की सरकार में कानून व्यवस्था अच्छी थी जो अब खत्म हो चुकी है। हम सत्ता में आए तो अग्निवीर को खत्म करेंगे।

7500 करेंगे बुढ़ापा पेंशन

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बदमाशों का दबदबा है। मुख्यमंत्री इसे रोकने का बयान देते हैं लेकिन इन लोगों को सरकार संरक्षण दे रही है। चौधरी देवीलाल ने बुढ़ापा पेंशन शुरू की थी। जो आज 3000 है, हम इसे 7500 करेंगे। हम हर घर से एक पढ़े लिखे युवा को सरकारी नौकरी देंगे। 21 हजार बेरोजगारी भत्ता देंगे। पीने का पानी मुफ्त देंगे। हर घर में हर महीने गैस का एक सिलेंडर मुफ्त देंगे। उन्होंने कहा कि चौधरी ओमप्रकाश और मायावती ने आज तक लोगों से जो जो वादे किए, उन्हें पूरा करके दिखाया। किस सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा। यह बाद में तय किया जाएगा।

पार्टी कर चुकी मेल-मुलाकात

अपनी पार्टी को मजबूती देने के लिए केसीआर जा सकते हैं भाजपा के साथ

हैदराबाद। तेलंगाना के लोकसभा चुनाव ने इस बार के चंद्रशेखर की बीआरएस का सूपड़ा साफ कर दिया। इसप्रदर्शन के बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या तेलंगाना में बीआरएस की सियासी जमीन अब कमजोर पड़ चुकी है। जैसी खबरें आ रही हैं, उन्होंने जरूर साबित कर दिया है कि चंद्रशेखर की पार्टी फिर खड़ी होने के लिए किसी के साथ भी गठबंधन कर सकती है। इसी कड़ी में राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा चल रही है कि बीआरएस, भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसका कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन दोनों पार्टी का एक धड़ा ऐसी अटकलों को बल देने का काम कर रहा है। बड़ी बात यह है कि कुछ दिन पहले चंद्रशेखर के बेटे और नेता केटी रामा राव दिल्ली आए थे, माना जा रहा है कि उन्होंने बड़े भाजपा नेताओं से मुलाकात की है।

मुलाकातों से अटकलों को मिला बल

इन मुलाकातों ने भी गठबंधन की चर्चा को मजबूत कर दिया है। वैसे अभी भाजपा के नेता ऐसे किसी भी गठबंधन को लेकर ज्यादा सकारात्मक रुख नहीं दिखा रहे हैं। कुछ भाजपा नेता का कहना है कि पार्टी के अंदर वो नेता ही ऐसे किसी गठबंधन के पक्ष में बात कर रहे हैं जिन्हें बीआरएस के पहले परिवार को बचाना है। लेकिन पार्टी के अंदर ही कई नेता मानते हैं कि ऐसा कोई भी गठबंधन भाजपा के लिए ही आत्मघाती साबित हो सकता है।

संसदीय स्थायी समितियों के गठन के लिए भी प्रक्रिया शुरू

पहली बार पब्लिक एकाउंट्स कमेटी के चेयरमैन होंगे राहुल

नई दिल्ली

संसद के आगामी बजट सत्र से पहले सभी दो दर्जन संसदीय स्थायी समितियों की नियुक्ति हो जानी है। लोकसभा के 16 और राज्यसभा के 8 संसदीय स्थायी समितियों के लिए अनुशंसा कांग्रेस पार्टी समेत सभी विपक्षी दलों के संसदीय दल के नेताओं से मांगी गई है। इस बार उम्मीद है कि 13 संसदीय स्थायी समितियों के चेयरमैन भाजपा और राजग गठबंधन के सांसद करेंगे जब कि शेष 11 स्थायी समितियों की अध्यक्षता की जिम्मेदारी विपक्षी दलों के नेताओं को मिल सकती है। विभिन्न मंत्रालय के कामकाज का लेखाजोखा रखने वाली, समय समय पर मंत्रालयों की विभिन्न योजनओं पर विस्तार से विमर्श संबंधित मंत्रालय के स्थायी समितियों में ही होता है। अगर संबंधित मंत्रालय का कोई विधेयक संसद में पास होने से अटक जाता है तो उसे स्थायी समिति के पास ही आपसी विमर्श के आधार पर ठीक करने भेजा जाता है। यही वजह है कि संसदीय स्थायी समितियों की अध्यक्षता जहां बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है वहीं सदस्यता भी उतनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। संसदीय स्थायी समितियों के अध्यक्ष किसी भी दल के वरिष्ठ सांसद होते हैं। जब कि संसद की दूसरी समिति संसदीय सलाहकार समिति की अध्यक्षता संबंधित मंत्रालय के मंत्री ही करते हैं। बतौर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहली बार बेहद महत्पूर्ण माने जाने वाली पब्लिक एकाउंट्स कमेटी के चेयरमैन होंगे। कमेटी संसद के 'ऑडिट वॉच डॉग' की जिम्मेदारी निभाता है। विभिन्न दलों से भले ही संसदीय सचिवालय की ओर से स्थायी समितियों के लिए अनुशंसा मांगी गई है, लेकिन अंतिम मुहर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ही लगाएंगे। विपक्षी दल चूंकि इस बार अच्छी संख्या में लोकसभा में पहुंचे हैं इसीलिए कांग्रेस, सपा और तृण्मूल कांग्रेस के सांसदों को स्थायी समितियों में अच्छा प्रतिनिधित्व मिलने की संभावना है।

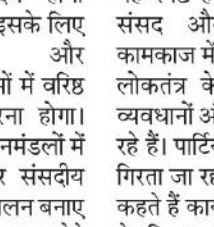

अब वो दिन दूर नहीं जब कम हो रही याददाश्त अल्जामर जैसे रोगों का पता खून जांच से चलेगा

नई दिल्ली

क्या आपको भी भूलने की बीमारी है? अचानक से नाम भूल जाते हैं? या फिर ऐसी कोई विषय वस्तु याद नहीं रहती जो वाकई याद रहनी चाहिए थी? तो सावधान हो जाएं। इसे कोरोना के साइड इफेक्ट के रूप में संबोधित कर अनदेखा न करें बल्कि सीरियसली लें। मेडिकल साइंस ने भी भूलने की बीमारी को संजीदगी से लिया है। दिल्ली के एम्स अस्पताल ने केवल खून जांच से अब ये जानकारी हासिल करने में बहुत हद तक सफलता पा ली है कि किसी रोगी को भविष्य में अल्जाइमर हो सकता है।

अभी तक 50 से 75 साल के 90 रोगियों पर ये नुस्खा आजमाया जा रहा है। जिसके परिणाम अब तक बेहद सुखद हैं। अगर सौ फीसदी तक नुस्खा कामयाब हो गया तो फिर देश में अल्जाइमर रोगियों को समय से पहले पहचानने में सफलता मिलेगी, जिससे समय पर उनका इलाज शुरू कर ऐसे रोगियों की लगातार बढ़ती संख्या पर रोकथाम लगाई जा सकेगी। अल्जाइमर रोगियों की याददाश्त धीरे-धीरे कम होती जाती है। रोग के आखिरी चरणों में रोगी किसी को पहचानना बंद कर देता है। एम्स अस्पताल में हुए एक अध्ययन में ये बात सामन आई कि भारत में अधिकांश अल्जाइमर के रोगी 65 की उम्र के बाद के हैं, यही वजह है कि शोध के लिए 50 से 75 साल के लोगों को चुना गया है। उनके खून की जांच कर देखा जा रहा है कि दिमाग में किस हद तक याददाश्त तरोताजा रखने वाले केमिकल की कमी हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आला अधिकारी ने बताया कि एम्स में आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं कि लगभग 90 लाख लोगों को किसी न किसी प्रकार से 60 वर्ष के उम्र के बाद डिमेन्शिया की शिकायत है। डिमेन्शिया अल्जामर के पहले का स्वरूप है। एम्स में 90 रोगियों पर चल रहे शोध में 35 ऐसे हैं जिन्हें याददाश्त जाने का खतरा है। 25 को अपेक्षाकृत कम खतरा है। 30 बिल्कुल स्वस्थ्य व्यक्तियों के ब्लड संग्रह कर अध्ययन किया जा रहा है।

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं है और यह बहुत दबाव में काम कर रही है: धनखड़

संसद के कामकाज को रोककर राजनीति करना गंभीर परिणाम देने वाला है

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं है और यह बहुत दबाव में काम कर रही है। यह कहते हुए कि विधायिकाओं में बहस, संवाद, विचार-विमर्श और चर्चा की प्रधानता व्यवधान और गड़बड़ी को जन्म देती है। उपराष्ट्रपति ने टिप्पणी की कि संसद के कामकाज को रोककर राजनीति को हथियार बनाना हमारी राजनीति के लिए गंभीर परिणाम देने वाला है। धनखड़ ने मुंबई में महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करते हुए सभापति या लोकसभा अध्यक्ष को "दोनों तरफ से सुविधाजनक पंचिंग बैग" बनाने की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने इसे अनुचित बताते हुए कहाजब हम कुर्सी संभालेंगे तो हमें न्यायसंगत होना होगा, निष्पक्ष होना होगा। इस बात पर बल देते हुए कि लोकतंत्र के

मंदिर को कभी भी अपवित्र नहीं किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि आसन का सम्मान सदैव होना चाहिए और इसके लिए संसद और विधानसभाओं में वरिष्ठ सदस्य को नेतृत्व करना होगा। उपराष्ट्रपति ने हमारे विधानमंडलों में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं का कड़ाई से पालन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, हाल के संसद सत्र में जिस तरह का आचरण देखा गया वह वास्तव में दर्दनाक है, क्योंकि यह हमारे विधायी प्रवचन में महत्वपूर्ण नैतिक क्षरण को प्रदर्शित करता है। यह स्पष्ट है कि वर्तमान में हमारी संसद और विधानमंडलों के कामकाज में सब कुछ ठीक नहीं है। लोकतंत्र के ये मंदिर रणनीतिक व्यवधानों और अशांति का दंश झेल रहे हैं। पार्टियों में बातचीत का स्तर गिरता जा रहा है। कई सदस्य मुझसे कहते हैं कार्यवाही को बाधित करने के लिए उन्हें राजनीतिक दल से आदेश मिलता है।

20 जुलाई को केंद्रीय गृहमंत्री शाह राज्य कार्यसमिति की बैठक को करेंगे संबोधित

झारखंड: सीएम फेस को लेकर भाजपा हाईकमान कर रहा मंथन

मरांडी, मुंडा और अमर कुमार सहित कई बड़े नेता सीएम उम्मीदवार बनने की दौड़ में

नई दिल्ली

झारखंड में मुख्यमंत्री का चेहरा सामने रखकर चुनाव मैदान में उतरा जाए या नहीं, भाजपा हाईकमान के लिए यह बड़ा सवाल बन गया है। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस पर मंथन कर रहा है। सबकी निगाह 20 जुलाई को होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक पर टिकी है क्योंकि इसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे।

बैठक बड़ी है और इसमें भाजपा के मंडल तथा जिला पदाधिकारियों से लेकर प्रदेश संगठन के दिग्गज शामिल होंगे। झारखंड विधानसभा चुनाव के पार्टी प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सहप्रभारी हिमंता बिस्व सरमा चुनावी रणनीति से लेकर विपक्षी मोर्चेबंदी पर निगाह बनाये हुए हैं। भाजपा के लिए झारखंड विधानसभा चुनाव काफी अहम है। पार्टी हर हाल में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की सरकार को सत्ता से बाहर करना चाहती है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को झारखंड में उम्मीद के अनुसार रिजल्ट नहीं मिल पाए। हेमंत सोरेन जेल से बाहर आकर फिर से मुख्यमंत्री बन चुके हैं। लिहाजा भाजपा के लिए विधानसभा चुनाव में मैदान मारना आसान नहीं दिख रहा है और पार्टी नेताओं को इसका आभास है। झारखंड में आदिवासी वोटबैंक बहुत मायने रखता है। भाजपा चाहती है कि किसी भी तरह झामुमो और कांग्रेस गठबंधन की तरफ बढ़ते आदिवासी समुदाय को अपने पाले में रखा जाए। लोकसभा चुनाव में भाजपा इस कवायद में ज्यादा सफल नहीं रही थी, पर अब विधानसभा चुनाव में एकबार फिर नए सिरे प्रयास करने पर

मंथन हो रहा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार नई दिल्ली में पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि चुनाव क्षेत्रीय नेताओं को आगे रखकर लड़ा जाए और किसी बड़े आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट किया जाए।

अभी हाल ही में हरियाणा में भाजपा ने साफ कर दिया है कि राज्य के विधानसभा चुनाव में वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ही सीएम फेस होंगे। यह रणनीति झारखंड में भी लागू की जा सकती है। पार्टी यहां प्रदेश अध्यक्ष बाबू लाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा या किसी अन्य नेता पर दांव खेल सकती है। सूत्रों का कहना है कि राज्यों के विधानसभा चुनाव में अब पहले की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा और नाम आगे रखकर चुनाव नहीं लड़ा जाएगा, इसकी शुरुआत हरियाणा से हो चुकी है। पार्टी में कई नेताओं का मानना है कि हेमंत सोरेन के आगे हमें अपना सीएम फेस उतारना चाहिए ताकि जनता में मुख्यमंत्री को लेकर कोई संशय न रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 जुलाई को झारखंड में होंगे। वे पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाग लेंगे और मंडल और जिला स्तर के पदाधिकारियों से संवाद करेंगे। इस बैठक में राज्यभर से सैकड़ों पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

गृहमंत्री शाह विजय संकल्प सभा के दौरान कार्यकर्ताओं और प्रदेश के नेताओं से जीत हासिल करने के लिए जुटने का आह्वान करेंगे। पिछली 5 जुलाई से राज्य के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तरीय नेताओं-कार्यकर्ताओं के अभिनंदन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 15 जुलाई तक सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में यह कार्यक्रम संपन्न हो जाएगा। अपनी सभाओं के दौरान भाजपा सोरेन सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने में जुटी है पर मुकाबला कड़ा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)